हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 24.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 267 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण में लगभग 90 प्रतिशत मतदान दर्ज होने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे जनता के अधिकारों की लड़ाई से जोड़ते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी मतदान इसलिए हो रहा है क्योंकि लोग अपने अधिकार, पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए मतदान केंद्रों तक पहुंच रहे हैं।

चौरंगी क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी नयना बंद्योपाध्याय के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि जनता समझ चुकी है कि यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि अधिकार बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, जिनमें से लाखों नाम कानूनी लड़ाई के बाद फिर से जुड़वाए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग जानते हैं कि यदि उनके अधिकारों की रक्षा नहीं हुई तो संपत्ति, पहचान, पता और रोजगार तक पर संकट आ सकता है। इसी वजह से मतदाता बड़ी संख्या में मतदान करने निकले हैं। उन्होंने कहा कि जनता लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए मतदान कर रही है।

तमिलनाडु में रिकॉर्ड 85 प्रतिशत वोटिंग

चेन्नई : तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हो गया। लगभग 85 प्रतिशत रिकार्ड मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर पूरे दिन शाम 6 बजे तक चला। भीषण गर्मी के बावजूद युवा और महिलाएं लंबी कतारों में खड़े होकर उत्साह के साथ मतदान करते रहे। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई थीं। चेन्नई, वेल्लोर, नामक्कल, करूर जैसे जिलों में तापमान 100 डिग्री से अधिक होने के बावजूद मतदान तेजी से हुआ।

एक नजर

राष्ट्रपति ने कलाकारों से की मुलाकात

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक कला रूपों के कलाकारों के एक समूह से मुलाकात की और उनके कला कार्यों को देखा। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार कावी, निर्मल, माता नी पछेड़ी (गुजरात की कला) और गोंड (मध्य प्रदेश) जैसे विभिन्न कला रूपों में काम करने वाले 13 कलाकार राष्ट्रपति भवन के 'आर्टिस्ट्स-इन-रेजिडेंस' कार्यक्रम के तहत यहां रह रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, 'आर्टिस्ट्स-इन-रेजिडेंस' कार्यक्रम भारत की कलात्मक परंपराओं की भावना का एक उत्सव है और यह सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने में जीवंत कला परंपराओं की महत्वपूर्ण भूमिका की पुनः पुष्टि करता है।

बीकाजी ग्रुप के संस्थापक फन्ना बाबू का निधन

बीकानेर : दुनिया के पटल पर बीकानेरी भुजिया को नई पहचान दिलाने वाले बीकाजी ग्रुप के संस्थापक शिवरतन अग्रवाल 'फन्ना बाबू' का गुरुवार को चेन्नई में निधन हो गया। वे वहां अपनी पत्नी के हृदय का ऑपरेशन कराने के सिलसिले में चेन्नई गए हुए थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अनेक ने शोक जताया है।

मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक को परिवाद पेश

बांसवाड़ा : असम की चुनावी रैलियों में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान को लेकर बांसवाड़ा जिले में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। कलिंजरा निवासी हरीश कुमार पटेल ने जिला पुलिस अधीक्षक को परिवाद सौंपकर खरगे के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। परिवादी हरीश कुमार पटेल ने अपने आवेदन में बताया कि गत 6 अप्रैल को असम के श्रीभूमि और कछार जिलों में चुनावी रैलियों के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित तौर पर आरएसएस और भाजपा के विरुद्ध आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषा का प्रयोग किया।

सीमा शुल्क के मसले पर नेपाल के संपर्क में है भारत

नई दिल्ली : भारत ने नेपाल की ओर से सीमा शुल्क लगाने और फिर इसे आंशिक रूप से हटाए जाने पर कहा कि उसकी पूरी स्थिति पर नजर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस विषय पर नेपाल से साथ लगातार संपर्क में है। वहीं, प्रवक्ता ने बांग्लादेश से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया।

मुख्यमंत्री ने स्टेट हैंगर के निर्माण कार्य का लिया जायजा, कहा

गुणवत्ता से कोई समझौता नही

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डा परिसर में निमार्णाधीन स्टेट हैंगर और संबंधित आधारभूत ढांचे के कार्यों की प्रगति का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर ही पूरा करना होगा।

प्रशासनिक क्षमता और राज्य की छवि पर जोर

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्य की गुणवत्ता, नियंत्रण और समयबद्धता की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा, राज्य के सतत विकास के लिए आधुनिक और सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर अनिवार्य है। स्टेट हैंगर जैसी परियोजनाएं न केवल प्रशासनिक कार्यक्षमता को बढ़ाती हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की प्रगतिशील छवि को भी मजबूती प्रदान करती हैं।

नवीन तकनीक और प्रभावी प्रबंधन के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण में नवीनतम तकनीकों और श्रेष्ठ संसाधनों का उपयोग किया जाए। उन्होंने किसी भी प्रकार की लापरवाही या कार्य में शिथिलता को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि विभाग इसकी निरंतर निगरानी करे ताकि प्रोजेक्ट में देरी न हो।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव अविनाश कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्ययोजना का ब्यौरा पेश किया।

टिहरी हादसा : 300 फीट गहरी खाई में गिरा वाहन, 8 की मौत

एजेंसी

टिहरी गढ़वाल : उत्तराखंड के टिहरी जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। गुरुवार को चंबाझकोटि मार्ग पर नैल के पास एक यूटिलिटी पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। इस भीषण हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

ऋषिकेश से लौट रहा था परिवार

जानकारी के अनुसार, वाहन में कुल 10 लोग सवार थे। ये सभी लोग ऋषिकेश में एक क्रियाकर्म (अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्म) में शामिल होने के बाद अपने घर घनसाली लौट रहे थे। रास्ते में नैल के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और पिकअप सीधे खाई में जा समाई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, रउऋक्ष्ठ फायर सर्विस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। ढलान और गहरी खाई होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

क्रियाकर्म से लौट रहे थे सभी यात्री

हादसे में उत्तम (30 वर्ष) और अंकित (22 वर्ष) को सुरक्षित निकालकर जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल, एसएसपी श्वेता चौबे और स्थानीय विधायक किशोर उपाध्याय घटनास्थल पर मौजूद रहकर बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं और बाबा केदार से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री ने दिवंगतों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

प्रशासन ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सभी मृतक घनसाली क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जिससे पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

पांच साल बाद चीन के पर्यटकों को वीजा जारी करेगा भारत

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत सरकार चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। करीब पांच साल पहले गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद इन सेवाओं को बंद कर दिया गया था। अब दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है।

यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों में धीरे-धीरे आ रही नरमी के बीच उठाया गया है। हाल ही में भारत और चीन ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही लंबे समय से रुकी हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा को भी दोबारा बहाल कर दिया गया है। नए वीजा नियम मुख्य चीन, हांगकांग और मकाऊ से आने वाले यात्रियों पर लागू होंगे। सरकार का यह फैसला पर्यटन, व्यापार और लोगों के बीच आपसी मेलजोल को फिर से बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है।

चाईबासा के मजदूर तमिलनाडु में बंधक सीएम ने डीसी और मंत्री को दिए जांच के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : चाईबासा के सैकड़ों मजदूर तमिलनाडु में बंधक बना लिये गये हैं। मामले में सीएम हेमन्त सोरेन ने चाईबासा उपायुक्त, उद्योग-श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव और प्रवासी सेल, झारखंड को जांच के लिए कहा है। ये मजदूर अपने घर लौटने की गुहार लगा रहे हैं। मिली खबर के मुताबिक पश्चिमी सिंहभूम जिले के ये सैकड़ों मजदूर, कुछ दिन पहले तमिलनाडु की एक सूता और कपड़ा निर्माण कंपनी में काम करने गये थे। लेकिन उनको वहां बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया है। इनमें बड़ी संख्या में युवक और युवतियां शामिल हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर पीड़ित मजदूरों तक मदद पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

मारपीट और उत्पीड़न की शिकायत

मजदूरों ने आरोप लगाया है कि कंपनी प्रबंधन और स्थानीय कर्मचारियों द्वारा उनके साथ मारपीट व उत्पीड़न किया जा रहा है। पीड़ितों के अनुसार, उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं दिया जा रहा है। घर लौटने की बात करने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है और जबरन रोके रखा जाता है। मजदूरों ने किसी तरह वीडियो संदेश के जरिए आपबीती बताई, जिसके बाद मामला उजागर हुआ।

डोनाल्ड ट्रंप के 'नरक' वाले बयान पर भारत सख्त, दी प्रतिक्रिया

एजेंसी

नयी दिल्ली : अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और चीन को लेकर की गई एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट पर भारत सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार की नजर इन घटनाक्रमों पर बनी हुई है।

हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर अमरीकी पॉडकास्टर माइकल सेवेज का एक वीडियो साझा किया था। इस वीडियो में सेवेज ने भारत और चीन जैसे देशों को नरक का द्वार कहकर संबोधित किया। वीडियो में अमरीका के 'बर्थराइट सिटीजनशिप' (जन्मजात नागरिकता) कानून की आलोचना की जा रही थी।

साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मुद्दे पर संक्षिप्त लेकिन नपी-तुली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा हमने इस संबंध में आ रही कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं। हम मामले पर गौर कर रहे हैं।

झारखंड बोर्ड ने जारी किया 10वीं का परिणाम, 95.27 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित मैट्रिक (सेकेंडरी) वार्षिक परीक्षा 2026 का परिणाम इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक और उत्साहजनक रहा। राज्य का कुल पास प्रतिशत 95.27% दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 3.56% अधिक है। इस शानदार परिणाम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि राज्य में शिक्षा का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है।

इस वर्ष कुल 4,24,001 छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जिसमें से 4 लाख 22 हजार 109 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 4 लाख 02 हजार 178 छात्र सफल घोषित किए गए। यह आंकड़ा बताता है कि बड़ी संख्या में छात्रों ने सफलता हासिल की है। परिणामों के विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि प्रथम श्रेणी में 2 लाख 26 हजार 957 द्वितीय श्रेणी में 1 लाख 60 हजार 673 और तृतीय श्रेणी में 14 हजार 548 छात्र उत्तीर्ण हुए।

चार छात्रों ने साझा किया पहला स्थान

इस बार की मेरिट लिस्ट भी काफी दिलचस्प रही। कुल चार छात्रों ने 498 अंक (99 .60 प्रतिशत) हासिल कर संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया। इनमें हजारीबाग की प्रियांशु कुमारी, सिमडेगा की शिवांगी कुमारी, रांची के प्रेम कुमार साहू और सनी कुमार वर्मा शामिल हैं। इन छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से राज्य में शीर्ष स्थान हासिल कर अपने स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है।

लड़कियों का दबदबा कायम

इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ते हुए बेहतर प्रदर्शन किया है। कुल मिलाकर लड़कियों का पास प्रतिशत 95 .51 प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 95 .01 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह अंतर भले ही कम हो, लेकिन यह लगातार इस बात को दर्शाता है कि बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। हालांकि संथाल परगना प्रमंडल एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा, जहां लड़कों का प्रदर्शन लड़कियों से थोड़ा बेहतर रहा। इसके अलावा सभी प्रमंडलों में लड़कियां आगे रहीं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को बधाई के साथ दिया आगे बढ़ने का संदेश

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं जोहार कहा है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि जो छात्र अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके हैं, वे निराश न हों और आगे बेहतर प्रयास के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार सभी विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। सीएम ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच से ही सफलता हासिल की जा सकती है। परिणाम के साथ ही अब छात्र अपने आगे के करियर की दिशा तय करने में जुट गए हैं।

मेरिट लिस्ट में दूसरे स्थान पर 496 अंक (99.20%) के साथ कई छात्रों ने जगह बनाई, जिनमें गुमला और हजारीबाग के छात्र प्रमुख रहे। वहीं तीसरे स्थान पर 494 अंक (98.80%) के साथ भी कई छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

यदि प्रमंडलवार प्रदर्शन की बात करें तो कोल्हान प्रमंडल 96.32% पास प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा, जबकि संथाल परगना प्रमंडल 96.25% के साथ दूसरे स्थान पर रहा। दक्षिण छोटानागपुर, उत्तर छोटानागपुर और पलामू प्रमंडलों का प्रदर्शन भी 94% से अधिक रहा, जो संतोषजनक माना जा रहा है।

वर्गवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछड़ा वर्ग के छात्रों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा, जहां पास प्रतिशत 96.42% रहा। इसके बाद अनुसूचित जनजाति और अत्यंत पिछड़ा वर्ग का प्रदर्शन 95.93% के साथ समान रहा। सामान्य वर्ग का पास प्रतिशत 94.85% और अनुसूचित जाति का 93.40% रहा।

पिछले सात वर्षों में बेहतर सुधार

यदि पिछले सात वर्षों के परिणामों से तुलना करें तो 2026 का रिजल्ट काफी बेहतर रहा है। 2024 में जहां पास प्रतिशत 90.40% तक गिर गया था, वहीं 2025 में यह 91.71% और अब 2026 में 95.27% पहुंच गया है। यह उछाल शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों की मेहनत का संकेत देता है।

शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक संकेत

इस बार के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि झारखंड में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। सरकारी और निजी स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक माहौल, डिजिटल संसाधनों का उपयोग और शिक्षकों की मेहनत का असर अब परिणामों में दिखने लगा है।

झारखंड बोर्ड मैट्रिक परीक्षा 2026 का परिणाम न केवल छात्रों के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है। बेहतर पास प्रतिशत, बेटियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन और मेरिट लिस्ट में विभिन्न जिलों की भागीदारी यह दशार्ती है कि शिक्षा का दायरा अब व्यापक हो रहा है। आने वाले वर्षों में यह उम्मीद की जा रही है कि झारखंड शिक्षा के क्षेत्र में और भी नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मैट्रिक परीक्षा 2026 का परिणाम छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक प्रतिफल है। इस वर्ष 95% से अधिक रिजल्ट हमारे लिए गर्व की बात है। खासकर बेटियों का बेहतर प्रदर्शन राज्य के उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है। जो छात्र इस बार सफल नहीं हो सके हैं, वे निराश न हों, बल्कि अगली परीक्षा के लिए और अधिक मेहनत करें सफलता जरूर मिलेगी.

जेएनपीएस बरही का मैट्रिक परीक्षा का रहा शत-प्रतिशत रिजल्ट, 90.2% अंक लाकर हलीमा खातून रही विद्यालय टॉपर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी झारखंड नेशनल पब्लिक स्कूल बरही का मैट्रिक परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट रहा। विद्यालय के निदेशक डॉ सुनील कुमार दत्ता ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय से कुल 22 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिनमें 21 प्रथम श्रेणी से तथा एक तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। हलीमा खातून 90.20% अंक लाकर विद्यालय टॉप कर अपने माता-पिता सहित विद्यालय का नाम रौशन किया ।वहीं साहिबा हैदर 85.20% लाकर विद्यालय की दूसरी टॉपर, 83.4% मार्क्स लाकर पल्लवी कुमारी तीसरी टॉपर रही। चाहत विश्वकर्मा, आलिया अफरोज तथा गुलफाम हसन 80.60 परसेंट लाकर संयुक्त रूप से चतुर्थ टॉपर तथा करीना कुमारी 80.40% लाकर विद्यालय में पांचवी स्थान प्राप्त की। इसके अतिरिक्त भास्कर कुमार 79%, कपिल देव यादव 78% ,धीरज कुमार 77.80%, राहुल कुमार 77.40% रिशु कुमार 77.40% मधु कुमारी 76% प्रीत कुमार राणा 75.6%, रुकसार 75% तमजीद मुहम्मद 74% ,सामिया फातिमा 73.2%, मो सुहैल 73%, शाहीन कसद 68.80%, अरबाज हुसैन 65.20%, आफताफ 64.60% एवं ज्ञान कुमार गुप्ता 42.20% लाए। बच्चों के इस सफलता पर विद्यालय निदेशक डॉ सुनील कुमार दत्ता ने बताया कि बच्चों के उपरोक्त बेहतर सफलता शिक्षक एवं शिक्षिकाओं तथा बच्चों के वर्ष भर के कठिन परिश्रम का फल है। निरंतर अच्छे एवं कुशल शिक्षक शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में बच्चे कठिन परिश्रम से अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। इसके लिए डॉक्टर दत्ता ने बच्चों शिक्षकों एवं बच्चों के अभिभावक को भी हार्दिक शुभकामनाएं दिए हैं ।साथ ही साथ विद्यालय के प्राचार्य सुशील कुमार कक्षा 10 के क्लास टीचर प्रमोद कुमार, अवकाश गिरी, रिया कुमारी केसरी, प्रतिमा घोष, रोशन आरा, शहरिन अख्तर, प्रियंका दास, मुस्कान परवीन ,फहैरीन सबा, सना फैज, मुसर्रत परवीन, निशा कुमारी,सोनम कुमारी, तौकीर खान आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने बच्चों की सफलता पर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

एक नजर

विद्यालय में विलियम शेक्सपियर जयंती पर इंगलिश लैंग्वेज डे का भव्य आयोजन

बरही : गुरुवार को डीएवी पब्लिक स्कूल परिसर में महान अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर के जन्मदिवस के अवसर इंग्लिश लैंग्वेज डे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ प्राचार्य एवं अंग्रेजी संकाय के शिक्षकों के द्वारा विलियम शेक्सपियर के चित्र पे पुष्प माल्यार्पण कर किया गया। जिसके बाद अंग्रेजी विभागध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने द्वारा शेक्सपियर के जीवन एवं साहित्य पर विचार प्रस्तुत किए गये । इस अवसर पर स्कूल के छात्रों ने शेक्सपियर की प्रसिद्ध रचनाओं जैसे हेमलेट, मकबेथ, एज यू लाइक इट आदि के अंशों पर चर्चा करते हुए मर्चेंट ऑफ वेनिस के कोर्ट दृश्य का मंचन किया। विद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंग्रेजी विभाग की तरफ से शेक्सपियर कॉर्नर के तहत सेल्फी प्वाइंट बनाया गया जहां बच्चों ने अपना-अपना सेल्फी लिया। प्रधानाचार्य महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि विलियम शेक्सपियर के साहित्य में मानवीय भावनाओं का अद्भुत चित्रण मिलता है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शेक्सपियर की रचनाओं से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया ।अंग्रेजी विभागध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया 122 ठिकाने पर छापेमारी

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस द्वारा बीते रात्रि जिले में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में विशेष छापामारी अभियान चलाया गया ।उक्त अभियान में जिले से सभी थाना प्रभारी की उपस्थिति में कुल 50 टीम गठित की गई थी। उक्त गठित टीम में 209 पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया था। गठित टीम के द्वारा अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के कुल 122 ठिकानो पर छापामारी की गई। उक्त टीम के द्वारा छापामारी अभियान के दौरान कुल 69 मनचले व्यक्तियों को थाना लाया गया एवं ढफबांड पर हिदायत देते हुए छोड़ गया। बताया गया कि आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम जनों से यह अपील भी की गई है कि आपके इलाके में ऐसे कोई मनचले व्यक्तियों या वैसी जगह जहां अड्डेबाजी होती हो उसकी सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना को दे तत्काल उक्त सूचना का सत्यापन करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेटे के अंतरजातीय विवाह के कारण पिता की हत्या, बिहार से धराया

पलामू : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुए चर्चित खैनी व्यवसायी संतोष प्रसाद हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस मामले में फरार चल रहे एक मुख्य शूटर को बिहार से गिरफ्तार कर गुरूवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 29 अप्रैल 2024 को छतरपुर के खाटिन रोड स्थित गर्ल्स स्कूल के समीप अज्ञात अपराधियों ने खैनी व्यवसायी संतोष प्रसाद को गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल, फिर मेदिनीनगर एमएमसीएच और बाद में रांची रिम्स रेफर किया गया था।

सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा एक्शन, अवैध कट बंद करने में जुटा एनएचएआई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुचारू बनाने के उद्देश्य से चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने एनएचएआई के सेफ्टी ऑफिसर के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए गए। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर मौजूद सभी अवैध कटों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए, ताकि अनियंत्रित आवागमन पर रोक लग सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इसके साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में एडवांस साइन बोर्ड एवं स्पीड लिमिट बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी वैध कटों पर लाइनमैन की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे यातायात संचालन व्यवस्थित तरीके से हो सके। इसके अलावा सड़क पर बने बॉटलनेक स्थलों को जल्द दुरुस्त करने, आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाने तथा निमार्णाधीन क्षेत्रों में प्रतिदिन कम से कम दो बार पानी का छिड़काव कराने को कहा गया। आपात स्थिति से निपटने के लिए एनएचएआई की एंबुलेंस सेवा को हर समय सक्रिय रखने पर भी विशेष जोर दिया गया, ताकि दुर्घटना की स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। बैठक के बाद एनएचएआई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कमलवार, केसठ एवं पवई स्थित जीटी रोड के अवैध कटों को बंद कर दिया।

विधायक ने ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अनुमंडल की दो प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर शीघ्र समाधान की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि क्षेत्र की आम जनता लंबे समय से इन समस्याओं से जूझ रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। विधायक मनोज यादव ने पत्र के माध्यम से बताया कि बरही चौराहा में प्रतिदिन लगने वाले जाम से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर सुबह और शाम के समय स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों तथा आम राहगीरों को अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने चौराहे पर अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके और लोगों को राहत मिल सके। बताया कि बरही चौक, धनबाद रोड सहित चारों मार्गो से अतिक्रमण को स्थाई तौर पर हटाना ही समस्या का समाधान प्रतीत होता है। जिसपर ध्यान देने की जरूरत है। 'इसके साथ ही विधायक श्री यादव ने चौपारण थाना क्षेत्र के बिहार सीमा से सटे चोरदाहा दनुआ घाटी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। यह स्थान मौत की घाटी के नाम से कुख्यात हो चुका है, जहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि इस क्षेत्र में लगभग प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक घायल हो चुके हैं। विधायक ने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया है कि वे स्वयं स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लें और दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। विधायक मनोज कुमार यादव के इस पहल से क्षेत्र की जनता को उम्मीद है कि पुलिस प्रशासन जल्द ही इन दोनों गंभीर समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए ठोस कदम उठाएगा, जिससे लोगों को राहत मिल सकेगी।

अमर सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का हजारीबाग में मना विजयोत्सव

विरता, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक थे बाबू कुंवर सिंह : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग शहर के सर्किट हाउस के नजदीक स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उनके 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदान को याद किया गया। इस समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। सबों ने बारी बारी से बाबू साहब के चित्र और प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनका गुणगान किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि बाबू साहब की कुबार्नी सदियों तक याद रखी जाएगी। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि बाबू कुंवर सिंह देश के लिए अपने प्राणों को न्योक्षावर किया था। उनकी देश के लिए दी गई कुबार्नी शदियों तक याद रखी जाएगी। बाबू साहब विरता, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने कहा कि बाबू कुंवर सिंह प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही और महानायक थे। साथ ही कहा कि हौसला उम्र नहीं देखती हैं इसके अप्रतिम उदाहरण बाबू कुंवर सिंह थे। समाजसेवी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रो सुनील सिंह ने कहा कि ऐसे योद्धा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समाजसेवी शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि उन्होंने 80 के उम्र में भी अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए थे। मौके पर मुख्य रूप से दहेज उन्मूलन सह उत्थान सवर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीडी सिंह, बिनोद सिंह, भगवान सिंह, शत्रुघ्न सिंह, अर्जुन सिंह, संजय सिंह, मंगल सिंह, पंकज सिंह, दीपक सिंह, डॉ मिथलेश कुमार, अनूप सिंहा, बिनोद सिंह, जितनाथ सिंह, नथु प्रसाद सिंह, संजय सिंहा, आरडी सिंह, मनोज कुमार सरोज, भोला सिंह, आशीष सिंह, बबलू सिंह, रंजन चौधरी, मनोज सिंह, अमित सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मृतक पुत्र का 70 दिन बाद भी नहीं बना मृत्यु प्रमाण, पिता ने सांसद से की शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल गुरुवार को उस समय बेहद तल्ख तेवर में नजर आए, जब मांडू विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान उन्हें एक पिता का दर्द और प्रशासनिक लापरवाही का प्रत्यक्ष प्रमाण मिला। गिद्दी-ए निवासी भाजपा कार्यकर्ता सियाराम सिंह ने सांसद से भावुक होकर शिकायत की कि उनके पुत्र की मृत्यु के 70 दिन बीत जाने के बाद भी डाड़ी प्रखंड कार्यालय उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए दर-दर भटका रहा है। ज्ञात हो कि 16 फरवरी 2026 को सियाराम सिंह के पुत्र गौरव कुमार का सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया था, लेकिन सभी कागजी प्रक्रियाएं पूरी होने के बावजूद उन्हें सरकारी कार्यालय की परिक्रमा करने पर मजबूर किया जा रहा है। इस गंभीर शिकायत पर सांसद मनीष जायसवाल ने तुरंत मौके से डाड़ी प्रखंड विकास पदाधिकारी अनु प्रिया को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने सांसद का फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। जब भाजपा कार्यकताओं के भी बार-बार फोन करने पर कोई जवाब नहीं मिला, तो सांसद स्वयं डाड़ी प्रखंड कार्यालय पहुँच गए। वहां का नजारा देख सांसद का पारा और चढ़ गया क्योंकि कार्यालय में सन्नाटा पसरा हुआ था और बीडीओ गायब थीं। मौके पर मौजूद कार्यालय कर्मी अजीत तिवारी ने भी अपने स्तर से बीडीओ को फोन लगाया, लेकिन उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारी का कॉल भी रिसीव नहीं किया। अधिकारियों के इस अड़ियल और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को देख सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यालय कर्मी अजीत तिवारी को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने डाडी प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि पीड़ित पिता को 24 घंटे के अंदर मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया गया, तो वे शुक्रवार शाम से स्वयं प्रखंड कार्यालय परिसर में धरने पर बैठेंगे।

अदाणी फाउंडेशन ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीणों के बीच बांटी गई दवाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन ने गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत बड़कागांव प्रखंड के पंडौल इलाके में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजन किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर के दौरान डॉक्टर सुधांशु शेखर और उनकी अनुभवी मेडिकल टीम ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की गहन जांच की। इस दौरान कुल 23 मरीजों का उपचार किया गया, जिनमें 16 पुरुष और 7 महिलाएं शामिल रहीं। मरीजों में अधिकतर को कमजोरी, अनियमित बल्ड प्रेशर, हड्डियों में दर्द समेत अन्य अन्य सामान्य समस्याएं पाई गईं। चिकित्सकों ने मरीजों का ब्लड प्रेशर मापने के साथ-साथ उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। शिविर की खास बात यह रही कि परामर्श के पश्चात सभी ग्रामीणों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। हजारीबाग के बड़कागांव प्रखंड में अदाणी फाउंडेशन केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि अन्य कई क्षेत्रों में भी कई कार्य कर रहा है। फाउंडेशन की ओर से शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए स्कूलों का सौंदर्यीकरण और बुनियादी ढांचों का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, स्थानीय युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कृषि के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने और जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों से भी क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। पंडौल में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। स्थानीय निवासियों ने अदाणी फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के आयोजन से उन लोगों को काफी राहत मिलती है, जो बेहतर इलाज के लिए दूर के शहरों तक जाने में असमर्थ हैं।

संक्षिप्त खबरें

केवाल में विशेष आयुष्मान के तहत जांच शिविर का हुआ आयोजन

बरही : 100 दिवसीय टीबी मुक्त अभियान 2026 के तहत बरही प्रखंड अंतर्गत खोड़ाहर पंचायत के केवाल आंगनबाड़ी केंद्र में विशेष आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें पंचायत के सैकड़ों मरीज शामिल हुए, शिविर में कई मरीजों को टीबी स्क्रीनिंग कर मौके पर ही पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से जांच की गई। वहीं शिविर में कुल 100 मरीजों का एक्स-रे परीक्षण किया गया, ताकि संभावित टीबी मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें शीघ्र इलाज उपलब्ध कराया जा सकें। साथ ही 16 मरीजों का बलगम जांच के लिए खकार भी लिया गया। जबकि ओपीडी में 118 मरीजों का जांच किया गया, जिसमें सभी मरीजों का बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी और बलगम आदि का नि:शुल्क जांच किया गया। इस दौरान बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने मौके पर मौजूद लोगों को यक्ष्मा के लक्षण, संक्रमण के कारण, जांच की प्रक्रिया, उपचार एवं दवा सेवन के संबंध में जानकारी प्रदान की। और उन्होंने बताया कि टीबी एक उपचार योग्य रोग है। इसकी समय पर पहचान व नियमित दवा सेवन से ही इससे निपटा जा सकता है।

संतोष ठाकुर की शादी के रिसेप्शन में विधायक समेत कई विशिष्ट लोग हुए शामिल

बड़कागांव : बड़कागांव मध्य पंचायत निवासी संतोष ठाकुर की शादी के रिसेप्शन पार्टी में विधायक रोशन लाल चौधरी,बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल,सीओ मनोज कुमार समेत कई विशिष्ट लोग शामिल होकर वर वधु को उपहार देते हुए सुखमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी। वहीं शमशान घाट सेवा समिति के द्वारा उपहार स्वरूप आम का पेड़ देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, करणपुरा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो, रामनवमी महा समिति अध्यक्ष विवेक सोनी, डॉक्टर बालेश्वर महतो, श्मशान घाट सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश सिन्हा, उप प्रमुख वचन देव कुमार, लालमणि महतो, मुखिया तकरीमुला खान, पंसस रितेश ठाकुर, उपेंद्र प्रसाद, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुईया, वीरेंद्र प्रसाद, सत्यदेव कुमार,राजदेव महतो,किशोर कुमार के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

एनटीपीसी ने विस्थापित क्षेत्र के 280 स्कूली बच्चों के बीच बांटी पानी की बोतलें

बड़कागांव : एनटीपीसी एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइंस द्वारा सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत अपने पोषक क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालय जुगरा में 280 बच्चों के बीच वाटर बोतल का वितरण किया गया। इस अवसर परियोजना के वरिष्ठ पदाधिकारी कमला राम रजक एवं भू अर्जन विभाग के दीपक मोदी ने कहा कि स्कूल में अध्यनरत बच्चों के बीच वॉटर बॉटल वितरण किया गया ताकि गर्मी के मौसम में पानी का किल्लत का सामना एवं कठिनाई नहीं हो। इस कार्यक्रम में बच्चों को बोतल मिलने पर बच्चे काफी खुश एवं उत्साहित नजर आए। दोनों अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में हर वर्ग के लोगों के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत कंपनी कई योजना चला रही है जिसका सीधा लाभ विस्थापित एवं ग्रामीणों को मिलती है। मौके पर विद्यालय के शिक्षक नागेंद्र प्रसाद, अमृत राणा, द्वारिका कुमार भारती, घनश्याम कुमार साह, संगीता कश्यप शाहिद विद्यालय के सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

नवनियुक्त सहायक आचार्य और शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय केरेडारी में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के आयोजन किया गया नवनियुक्त सहायक आचार्य व अंतरजिला स्थान्तरण होकर आए शिक्षकों के लिये सम्मान सह स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमे नवनियुक्त सहायक आचार्य एवम सहायक शिक्षकों में महेश कुमार,वीरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार,महिमा कुमारी,सरोज कुमार,संतोष कुमार,गोपाल कुमार, ब्यास साहू, टिकेश्वर कुमार,भागेश्वर कुमार,विजय कुमार प्रजापति, चन्द्रदीप कुमार,दशरथ कुमार साव,सुबोध राम,विशेश्वर कुमार,सीमा कुमारी,आरती कुमारी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया तथा अजप्ता की परंपरा से अवगत कराया गया। मौके पर अजप्ता के पुराने सदस्य रामदुलार राम,संजय कुमार,रामदेव रजक, तपेश्वरनाथ वर्मा, विनोद कुमार रवि, शिवचरण साहू,भुनेश्वर राम,महेश राम, विनय कुमार भारती, अशोक कुमार पासवान,राहुल प्रकाश, विनोद कुमार, कृष्णकुमार ठाकुर, मोहन राणा, जालेश्वर महतो, विपिन कुमार, देवेन्द्र कुमार दास,पूनम कुमारी आदि मौजूद थे।

प्लस2 उच्च विद्यालय में 240 में 236 हुए पास, सृष्टि कुमारी रही टॉपर

बड़कागांव : बड़कागांव प्लस टू उच्च विद्यालय में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी झारखंड अकादमी काउंसिल दसवीं बोर्ड परीक्षा में परीक्षार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कुल 240 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें 236 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। स्कूल के प्राचार्य कुलेश्वर महतो ने बताया कि सृष्टि कुमारी 456 अंक लाकर स्कूल टॉपर रही वहीं दामोदर कुमार 455 अंक लाकर द्वितीय स्थान तथा अंकित कुमार सोनी 454 अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। बच्चों की सफलता पर स्कूल प्रबंधन ने सभी सफल परीक्षार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री से मिले नव पदस्थापित प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के अधिकारी
सुशासन और जनहित को सर्वोपरि रखने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड स्थित उनके आवासीय कार्यालय में प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के नव पदस्थापित वरिष्ठ अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी और राज्य में विकास की गति को तेज करने का मंत्र दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जनहित, सुशासन और विकास कार्यों को प्राथमिकता की सूची में सबसे ऊपर रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का चेहरा मानवीय होना चाहिए और आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना अधिकारियों की मुख्य जिम्मेदारी है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जिलों की कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं की प्रगति पर भी अनौपचारिक चर्चा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युवा और अनुभवी अधिकारियों की यह नई टीम राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एक नजर

मां शारदा उच्च विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत

अनगड़ा : मां शारदा उच्च विद्यालय गेतलसूद का मैट्रिक का परीक्षाफल इस वर्ष बेहतर रहा। स्कूल के सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है। आशमनी कुमारी 74 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर बनी है। दूसरे स्थान पर रोहित रजवार, सचिन बेदिया तीसरे व छोटी कुमारी चौथे स्थान पर रही। विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार सिन्हा ने इसे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन का परिणाम बताया है। उन्होने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके बेहतर भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी है। शिक्षक शिवशंकर बेदिया, टहलू नायक, ताराचंद मुंडा व भरत पांडेय ने बताया कि विद्यार्थियों का अनुशासन और उनकी मेहनत से विद्यालय का रिजल्ट लगातार बेहतर हो रहा है। सभी विद्यार्थी इसके लिए पुरस्कृत किए जाएंगे।

हेसल स्कूल में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

अनगड़ा : स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे बचपन से ही अपनाना आवश्यक है। आज के बच्चे ही कल के जिम्मेदार नागरिक हैं, और यदि वे स्वच्छता का महत्व समझेंगे तो समाज और देश दोनों स्वच्छ और स्वस्थ बनेंगे। — ये महत्वपूर्ण बातें ऊषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने हेसल स्कूल में आयोजित पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता के दौरान कही, जहां उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

पहलगाम के शहीद को दी गयी श्रद्धांजलि

मुरी/सिल्ली : भक्तिवेदांत विद्याभवन गुरुकुल कुटाम में बुधवार के दिन कश्मीर के पहलगाम में पिछले वर्ष आतंकवादी हमले में शहीद हुए आईबी पदाधिकारी मनीष रंजन की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि और श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में शहीद हुए पदाधिकारी के माता-पिता, भाई विनीत रंजन, हितेश पटेल एवं मिहिर चौधरी समेत गुरुकुल के सुबल दास प्रभु, कुरुश्रेष्ठ दास प्रभु, करुणावतार दास प्रभु एवं गुरुकुल के समस्त बच्चे शामिल थे।

आरटीसी पब्लिक स्कूल के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन

मुरी/सिल्ली : झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा मैट्रिक परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित किया गया जिसमें आरटीसी पब्लिक स्कूल मुरी का परिणाम काफी बेहतर रहा। विद्यालय में टापर स्थान बनाने वाले शुभम गुप्ता 490 अंक 98%, प्रतिमा कुमारी महतो 488 अंक 97.6%, सचिन गोराई 484 अंक 96.8%, तौसीफ राजा 483 अंक 96.6%, दिनेश रंजन महतो 480 अंक 96%, रोहित कुमार साहू 476 अंक 95.2%, चंदन कुमार महतो 476 अंक 95.20%, प्राची कुमारी 475 अंक 95.0%, धीरज पातर मुंडा 475 अंक 95%, देव कुमार महतो 474 अंक 94.8%, रोशन सिंह मुंडा 473 अंक 94.6%, भूपेंद्र यादव 473 अंक 94.6%, जुली कुमारी 472 अंक 94.4%, सामल महतो 472 अंक 94.4% लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

एसआईआर का महामृत्युंजय मंत्र की तरह किया जा रहा इस्तेमाल : भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को महामृत्युंजय मंत्र की तरह इस्तेमाल कर रहा है। और इसके जरिए मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। अबतक 12.5 लाख नाम काटे जा चुके हैं। और आगे 20 लाख नाम और हटाने की योजना है। सरकार की यह बड़ी साजिश है। यह आरोप श्री भट्टाचार्य ने गुरुवार को केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान लगाया।

उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर फॉर्म 6,7 और 8 के जरिए बदलाव होता है, लेकिन एसआईआर का इस्तेमाल विरोधियों को चिन्हित करने के लिए किया जा रहा है। भट्टाचार्य ने सर्वे के दौरान मकानों की गिनती और होल्डिंग नंबर मांगे जाने पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि जब पहचान और पत्ते के लिए अन्य दस्तावेज उपलब्ध हैं। तो मकान नंबर की जरूरत क्यों पड़ रही है। संतुष्टि जैसे अपार्टमेंट्स का उदाहरण लेकर उन्होंने मतदाताओं के धर्म की पहचान करने और उन्हें वोटर लिस्ट से बाहर करने की साजिश बताई।

उन्होंने पश्चिम बंगाल के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि बंगाल में 72 घंटे पहले मोटरसाइकिल पर अकेले चलने का आदेश दिया गया है ताकि लोग अपने परिवार को वोट डालने न ले जा सकें। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे को नो मैन्स लैंड बना दिया गया है। स्थानीय लोगों को उनके घरों से हटाकर स्कूलों में शिफ्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल केवल ट्रेलर है और अगला निशाना झारखंड हो सकता है। उनका आरोप था कि गुजरात और राजस्थान से माइक्रो ऑब्जर्वर बुलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इन सभी रणनीतियों को समझ चुकी है और झारखंड में इस तरह की किसी भी गुंडई या धांधली को नहीं चलने देगी।

उन्होंने बंगाल में भारी सुरक्षा बलों की तैनाती को लेकर कहा कि पूरे देश में जहां लगभग तीन लाख पांच हजार पैरामिलिट्री फोर्स लगती है, वहीं अकेले बंगाल में दो लाख 45 हजार जवान तैनात किए गए हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर में इस्तेमाल होने वाली बख्तरबंद गाड़ियों को बंगाल में उतारने को भी डर का माहौल बनाने वाला कदम बताया।

पंचायती राज निदेशक ने हेमन्त सोरेन से की शिष्टाचार भेंट

मुख्यमंत्री से बतौर मुख्य अतिथि 'मुखिया सम्मेलन' में शामिल होने का किया आग्रह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से पंचायती राज निदेशक बी. राजेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को आगामी 24 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

यह आयोजन रांची के टाना भगत स्टेडियम (खेलगांव) में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का नाम मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार सह मुखिया सम्मेलन 2026 रखा गया है, जो विशेष रूप से दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के लिए केंद्रित होगा।

मुलाकात के दौरान निदेशक ने मुख्यमंत्री को कार्यक्रम की तैयारियों और रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के सभी मुखिया, पंचायत सचिव एवं पंचायत समिति के प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष सहित विभिन्न त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

यह आयोजन पंचायती राज संस्थाओं को प्रोत्साहित करने और उनके उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य ग्रामीण स्वशासन को और अधिक पारदर्शी तथा सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के महत्व को देखते हुए इसकी तैयारियों पर प्रसन्नता व्यक्त की और पंचायती राज को राज्य के विकास की नींव बताया।

झारखंड में बनेगी विशेष 'ग्रामीण महिला नीति', कवायद तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, नेतृत्व क्षमता और उद्यमिता को नई उड़ान देने के लिए राज्य सरकार अब एक समर्पित 'ग्रामीण महिला नीति' बनाने की तैयारी में है। गुरुवार को राजधानी रांची के एक निजी होटल में ग्रामीण विकास विभाग और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा आयोजित 'राउंड टेबल बैठक' में इस पर गहन मंथन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि झारखंड महिला नीति बनाने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ चुका है। वहीं, राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बैठक में आए सुझावों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, आज की चर्चा से कई ठोस बिंदु निकलकर आए हैं। अब विभाग इन सुझावों के आधार पर एक सशक्त पॉलिसी तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करेगा।

इस उच्च स्तरीय बैठक में राजनीति, समाजसेवा और चिकित्सा क्षेत्र की प्रमुख महिलाओं ने हिस्सा लिया, इसमें मुख्य रूप से शिल्पी नेहा तिर्की, डॉ. लुईस मरांडी, दयामणि बारला आदि ने अपने विचार साझा किये।

बैठक में विधायक श्वेता सिंह, रिम्स की डॉ. दिव्या सिंह सहित महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सक्रिय कई अन्य विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

संक्षिप्त खबरें

प्लास्टिक विरोध दिवस पर पर कपड़ा के थैले का वितरण

रांची : लायंस क्लब ऑफ रांची की ओर से गुरुवार को प्लास्टिक विरोध दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान एक ओर जहां अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक दिवस के तहत रांची नगर निगम के हरमू पार्क में पौधारोपण के लिए पौधों का वितरण किया गया, वहीं दूसरी ओर पुंदाग सब्जी बाजार में लोगों के बीच कपड़े के थैलों का वितरण कर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन दिलीप बंका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करें। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव का आधार बनते हैं और समाज की भागीदारी से ही स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण संभव है। पौधारोपण कार्यक्रम में क्लब के सचिव डॉ प्रदीप कुमार, लायन श्याम सुंदर शर्मा, अजय अग्रवाल, परविंदरजीत सिंह, लायन लेडी बीना बंका सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। वहीं प्लास्टिक विरोध दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष लायन दिलीप बंका, लायन लेडी बीना बंका सहित अन्य मौजूद थे।

मजदूरों के साथ हो रहा शोषण और अन्याय बर्दाश्त नहीं : देवेन्द्र

रांची : झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि मजदूरों के साथ हो रहे शोषण और अन्याय को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सभी मजदूरों को एकजुट करने की जरूरत है। देवेन्द्र नाथ गुरुवार को खेलगांव स्थित ओरियेंट क्राफ्ट फैशन इंडस्ट्रीज लिमिटेड में कार्यरत मजदूरों की वेतन भुगतान में देरी, बकाया भुगतान करने, वेतन प्रणाली और अपमानजनक व्यवहार के खिलाफ धरना प्रदर्शन के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूंजीपति घराने के लोग मजदूरों की मजबूरी नहीं समझते हैं। इसलिए काम करवाने के बावजूद उनसे गलत बर्ताव करते हैं। कहा कि मजदूरों की एकता से ही उनके अधिकार सुरक्षित रह सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज मजदूरों के आंदोलन के बाद ही प्रबंधन ने ऑन-द-स्पॉट की गई वेतन कटौती वापस ली और बकाया मजदूरी भुगतान करने पर सहमति जताई गई। साथ ही प्रत्येक माह की 10 तारीख तक नियमित वेतन भुगतान का आश्वासन दिया गया। मजदूरों की प्रमुख मांग के अनुसार अब प्रति पीस दर के बजाय झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मासिक मजदूरी के आधार पर वेतन देने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा मजदूरों के साथ गाली-गलौज और अपमानजनक भाषा का उपयोग करने वाले एक अधिकारी को प्रबंधन ने सेवा से निष्कासित कर दिया। आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे नेताओं में महासचिव मार्शल महतो, रांची महानगर अध्यक्ष संजय महतो, विराट महतो, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष शिल्पा महतो, युवा मोर्चा के राजू महतो, रामगढ़ के संतोष महतो और आजसू नेता बबलू महतो सहित अन्य लोगों के नाम शामिल थे।

झारखंड में 25 और 26 को वज्रपात और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट

रांची : राज्य भर में भीषण गर्मी के बीच 25 और 26 अप्रैल से मौसम में बदलाव होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात होने और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की भी संभावना है। 25 अप्रैल को राज्य के जिन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है उनमें बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज शामिल है। साथ ही 26 अप्रैल को राज्य के रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, और साहिबगंज में गर्जन और ओलावृष्टि के साथ वज्रपात होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 29 अप्रैल तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ वज्रपात होने की संभावना व्यक्त की है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा और सरायकेला में 43 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस गुमला में रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा और भीषण गर्मी महसूस की गई। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री और न्यूनतम 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जबकि जमशेदपुर में अधिकतम 42.2 डिग्री और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 42.8 और न्यूनतम 23.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 41.5 डिग्री और न्यूनतम 22.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कर्मचारियों का आर्थिक बोझ कम करेगी नई स्वास्थ्य बीमा योजना : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य की हर एक जनता के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सरकार की है। हमारा उद्देश्य सिर्फ योजना लागू करना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है। नई स्वास्थ्य बीमा योजना न केवल इलाज को आसान बनाएगी, बल्कि कर्मचारियों के आर्थिक बोझ को भी कम करेगी। राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाएगी। मंत्री गुरूवार को राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत नई बीमा अवधि के लिए रांची में एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) करने के दौरान बतौर मुख्ये अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाया गया बड़ा कदम बताया है।

मंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने के बाद राज्य के कर्मचारियों और उनके आश्रितों को देशभर के लगभग 600 प्रतिष्ठित अस्पतालों में पूरी तरह कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। इस योजना में राज्य के करीब 200 अस्पतालों के साथ-साथ वेल्लोर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु के प्रमुख सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों को जोड़ा गया है। सीजीएचएस दरों पर इलाज सुनिश्चित होने से पारदर्शिता बढ़ेगी और खर्च में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत ओपीडी, फॉलोअप, दवा, यात्रा भत्ता, आयुष उपचार और मेडिकल एडवांस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। वर्तमान में करीब 2 लाख कर्मचारी और उनके परिवार जुड़े हैं, जिससे लाभार्थियों की संख्या सात लाख से अधिक हो गई है। पिछले वर्ष 10,257 मरीजों के इलाज पर लगभग 51 करोड़ रुपये खर्च हुए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह योजना कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी है। आर्थिक बोझ को कम करेगी। अबुआ कार्ड के तहत बीमा राशि पांच लाख से बढाकर 15 लाख रुपये कर दी गई है।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य में मेडिकल कॉलेजों का विस्तार, मेडिको सिटी की स्थापना, मेडिकल सीटों में वृद्धि और रिम्स-2 जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम किया जा रहा है, ताकि भविष्य में लोगों को इलाज के लिए राज्य से बाहर न जाना पड़े।

झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की अपर कार्यकारी निदेशक सीमा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के स्टेट मिशन डायरेक्टर विद्यानंद शर्मा पंकज, एएजी आशुतोष आनंद, डीआईसी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल सहित कर्मचारियों के 33 महासंघ एवं विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि, एसोसिएशन ऑफ हेल्थ प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि, विभिन्न बोर्ड एवं निगमों के प्रतिनिधि, टाटा एआईजी के प्रतिनिधि, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि तथा स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

एक नजर

अवैध बालु लदा ट्रेक्टर जब्त

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के बेरहवा जंगल स्थित चौबे मरकच्चो मार्ग पर कमार्धाम के समीप गुरूवार को अवैध बालु खनन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जप्त किया है। यह कार्रवाई अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा मरकच्चो के नेतृत्व में की गई, जिसमें बालु लदा ट्रैक्टर को मौके से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि लंबे समय से उक्त क्षेत्र में अवैध बालू उठाव की शिकायत मिल रही थी, इसी के आधार पर अंचलाधिकारी ने छापेमारी कर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान ट्रैक्टर चालक भी पकड़ा गया। अंचलाधिकारी ने बताया कि जप्त ट्रैक्टर को थाना को सपोर्ट कर दिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी की अवैध खनन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में मरकच्चो के पंचायत जामु चयनित

मरकच्चो : मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत कोडरमा जिला को महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। योजना के तहत मरकच्चो प्रखंड के पंचायत जामु को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चयनित किया गया है।उत्कृष्ट ग्राम पंचायत श्रेणी एवं श्रेष्ठ ग्राम सभा मरकच्चो प्रखंड का जामु ग्राम पंचायत चयनित हुआ है। चयनित ग्राम पंचायत को माननीय मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन कोडरमा एवं प्रखंड प्रशासन मरकच्चो ने सभी जनप्रतिनिधियों व पंचायत कर्मियों को शुभकामनाएं दी है। यह सम्मान पंचायत स्तर पर किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों, पारदर्शिता एवं जनभागीदारी का प्रतीक है। साथ ही यह उपलब्धि अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

'नो पार्किंग' की धज्जियां उड़ाने वालों के कट रहे ऑनलाइन चालान

झुमरीतिलैया : शहर के ओवरब्रिज पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा 'नो पार्किंग जोन' घोषित किए जाने के बावजूद लोग नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कई वाहन चालक अपनी चार पहिया गाड़ियां नो पार्किंग क्षेत्र में खड़ी कर बेधड़क मार्केटिंग करने चले जाते हैं।नो पार्किंग जोन में अवैध रूप से वाहन खड़े करने के कारण ओवरब्रिज पर आए दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो रही है। इससे न केवल आवागमन बाधित हो रहा है, बल्कि आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रैफिक जाम की बढ़ती समस्या को देखते हुए यातायात पुलिस अब एक्शन मोड में है। ट्रैफिक एएसआई रामानंद पाठक के नेतृत्व में पुलिस बल ऐसे वाहनों पर पैनी नजर रख रहा है। नियम तोड़ने वाले वाहनों का मौके पर ही ऑनलाइन चालान काटा जा रहा है। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और वे भारी जुर्माने से बच सकें।

उमा भारती हाई स्कूल जेरुवाडीह का शानदार प्रदर्शन, सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से हुए पास

राजू कुमार मेहता बने स्कूल टॉपर, नितेश कुमार मेहता ने हासिल किया दूसरा स्थान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा घोषित मैट्रिक के परीक्षा परिणामों में उमा भारती हाई स्कूल, जेरुवाडीह सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा। इस उपलब्धि की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी हासिल कर अपनी मेधा का परिचय दिया है। विद्यालय के राजू कुमार मेहता ने 79.40%अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं नितेश कुमार मेहता 78.20% अंकों के साथ दूसरे और पूनम कुमारी 73.80% अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य मेधावी छात्रों में नीतू कुमारी (73.20%) और रुपाली कुमारी (69.80%) ने भी शानदार अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा दिखाई। छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है। प्राचार्य ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद बच्चों ने जो अनुशासन और कड़ी मेहनत दिखाई है, यह उसी का परिणाम है।

सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता को देते हुए टॉपर राजू कुमार मेहता ने कहा कि नियमित पढ़ाई और शिक्षकों के सही दिशा-निर्देश ने हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है। इस शानदार सफलता पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और अभिभावकों ने हर्ष जताया है तथा सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल और मंगलमय भविष्य की कामना की है।

श्री महेश एकेडमी, डोमचांच के शत- प्रतिशत विद्यार्थी मैट्रिक में सफल हुए

डोमचांच : झारखंड अधिविद्य परिषद् द्वारा वार्षिक माध्यमिक परीक्षा का परीक्षाफल गुरुवार को घोषित किया गया। घोषित परिणाम के अनुसार श्री महेश एकेडमी, डोमचांच के सभी 28 विद्यार्थीगण उत्तीर्ण हुए। 10 विद्यार्थियों ने 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किया। श्री महेश एकेडमी,डोमचांच के टॉप टेन विद्यार्थियों में कुसुम गोस्वामी (90%),रौशन कुमार (85.8%), जसमीन कुमारी (85.4%), विकास कुमार(84.8%), तमन्ना खातून (83.6%),कमर हसन (83.6%), ओवैस रजा(82.6%),समीम अंसारी(81.8%), साहिल अमन अंसारी(80.8%),और सोनम कुमारी (80.4%) के नाम शामिल हैं। सभी उत्कृष्ट परीक्षाफल वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी सफल विद्यार्थियों को एकेडमी के निदेशक सुनील कुमार सिन्हा, प्राचार्या रीना दाराद,मोहनलाल पाण्डेय, मुकुल कुमार, नकुल पाण्डेय, संजय कुमार, रौशन कुमार, शुभम कुमार सिंह सौरव कुमार ने बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कोडरमा रेलवे स्टेशन पर चैन छिनतई गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा रेलवे स्टेशन पर महिला यात्री के गले से सोने की चैन छिनतई मामले में आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराज्यीय गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों को रेल न्यायालय धनबाद भेजा गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बताया गया कि सुरक्षा नियंत्रण कक्ष धनबाद के माध्यम से रेल मदद संख्या 2026042107147 प्राप्त हुआ था, जिसमें सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 13554 में चढ़ने के दौरान एक महिला यात्री की लगभग 7 ग्राम सोने की चैन चोरी हो गई है। पीड़िता मनीषा कुमारी, चौपारण (हजारीबाग) ने एक संदिग्ध व्यक्ति पर शक जताया था। सूचना के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें चार संदिग्धों की पहचान की गई।

रामगढ़ एसपी ने पतरातू अनुमंडल के सभी थानों का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने पतरातू अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना एवं ओपी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पतरातू थाना, बासल थाना, भदानीनगर ओपी, भुरकुंडा ओपी और बरकाकाना ओपी पहुंचकर कार्यप्रणाली का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति और संवेदनशील इलाकों की जानकारी ली। साथ ही थानों में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों के कार्य बंटवारे, दैनिक जिम्मेदारियों और प्रशासनिक व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। सिरिस्ता अभिलेखों के रखरखाव, दस्तावेजों की स्थिति तथा रिकॉर्ड अपडेट रखने पर विशेष जोर दिया गया।

एसपी ने लंबित वारंट, कुर्की, सम्मन और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की प्रगति रिपोर्ट जांची। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके और आम जनता का भरोसा पुलिस व्यवस्था पर मजबूत बने। निरीक्षण के क्रम में आरोप पत्रित अपराधियों के भौतिक सत्यापन, चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन तथा सीसीटीएनएस में प्रविष्टि की स्थिति की भी समीक्षा की गई। एसपी ने तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग और सभी सूचनाओं को समय पर ऑनलाइन अपडेट करने का निर्देश दिया।

क्षत्रिय भवन कोडरमा में वीर कुंवर सिंह की जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ कोडरमा के तत्वावधान में आज क्षत्रिय भवन कोडरमा में वीर कुंवर सिंह की जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ के अध्यक्ष राम लखन सिंह ने की, जबकि संचालन महासंघ के महासचिव शिवलाल सिंह ने किया। उपस्थित सभी क्षत्रियों ने वीर कुंवर सिंह की तसवीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासंघ के अध्यक्ष रामलखन सिंह ने कहा कि वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपनी देशभक्ति को उजागर करते हुए अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे । हम सभी गौरवान्वित है कि हम बाबू वीर कुंवर सिंह के वंशज हैं ।हमें उनके जीवन आदर्शो से प्रेरणा लेनी चाहिए।

वही अपने संबोधन में महासचिव शिवलाल सिंह ने कहा कि क्षत्रिय शिरोमणि बाबू वीर कुंवर सिंह अपने त्याग और बलिदान के बल पर आज न केवल हिंदुस्तान में बल्कि पूरी दुनिया में अपनी एक विशेष पहचान बनाए हैं। हम सभी क्षत्रियों को उनसे प्रेरणा लेते हुए एकजुट होने का संकल्प लेना चाहिए। इसके अलावा उपस्थित कई लोगों ने बाबू वीर कुंवर सिंह की अमर गाथा को प्रदर्शित करते हुए अपनी अपनी बातों को रखा। वीर कुंवर सिंह के जयकारे से पूरा वातावरण गूंज उठा। मौके पर महासंघ के अध्यक्ष रामलखन सिंह, महासचिव शिवलाल सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश महासचिव कामाख्या नारायण सिंह, संरक्षक रामचंद्र सिंह वीरेंद्र सिंह, विजय कुमार सिंह, महेश सिंह, सचिव राजेंद्र सिंह,कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, केंद्रीय युवा मोर्चा के अध्यक्ष रणजीत सिंह, महासचिव दिनेश कुमार सिंह, कोडरमा प्रक्षेत्र के अध्यक्ष अभिषेक सिंह, सचिव विनोद सिंह, राजकुमार सिंह दयानंद सिंह, प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह, राजन सिंह, दीपक सिंह, संतोष सिंह, कृष्ण सिंह, बबलू सिंह, मनोज सिंह, बादल सिंह, सतीश सिंह, जय नारायण सिंह, रणजीत कुमार सिंह, शिव शंकर सिंह, हरदेव सिंह, मदन मोहन सिंह, आनंद कुमार सिंह सहित सैकड़ो क्षत्रिय मौजूद थे।

रामगढ़ में जरूरतमंद परिवार की शादी में लहंगा उपलब्ध कराया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : नगर परिषद क्षेत्र के रउता निवासी जीवन दीपक मुंडा और सपना देवी के परिवार में उस समय खुशी दोगुनी हो गई, जब उनकी पुत्री सिमरन मुंडा के विवाह अवसर पर सामाजिक सहयोग का प्रेरक उदाहरण देखने को मिला। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल के माध्यम से विवाह सहयोग स्वरूप लहंगा उपलब्ध कराया गया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए विवाह जैसे बड़े आयोजन कई बार चुनौती बन जाते हैं। ऐसे समय में मिला सहयोग न केवल मदद साबित होता है, बल्कि परिवार को मानसिक संबल भी देता है। सिमरन मुंडा के विवाह में मिला यह सहयोग क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की खुशियों में सहभागी बनना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल हमेशा क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं और हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहते हैं।

नगर परिषद के सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी ने कहा कि समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और आपसी सहभागिता की भावना ही हमें एक-दूसरे से जोड़कर रखती है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी किसी जरूरतमंद परिवार के लिए बहुत बड़ा सहारा बन जाते हैं। आगे भी इसी भावना के साथ लोगों की सेवा जारी रहेगी।

राधा गोविंद विवि के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे 1600 विद्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय में "NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली : वैश्विक परिप्रेक्ष्य में" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। 22 और 23 अप्रैल को आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों, विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 1600 प्रतिभागियों का पंजीकरण हुआ, जबकि 500 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

ज्ञान, शोध और परंपरा का संगम बना सम्मेलन

सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा हुई। वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, दर्शन और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की आधुनिक समय में उपयोगिता पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल है।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलाधिपति बी एन साह ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल भारत की धरोहर नहीं, बल्कि यह वैश्विक चुनौतियों के समाधान का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, नैतिक मूल्यों की स्थापना और सतत विकास जैसे विषयों में भारतीय दृष्टिकोण आज पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक बन सकता है।

नैतिकता और संस्कार शिक्षा की सबसे बड़ी ताकत

मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि भारतीय प्राचीन शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता और चरित्र निर्माण को सर्वोच्च स्थान दिया गया था। यही कारण है कि यह शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कार भी प्रदान करती है।

विश्व के लिए प्रेरणादायक है भारतीय शिक्षा पद्धति

विश्वविद्यालय सचिव प्रियंका कुमारी ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे विश्व समुदाय के लिए प्रेरणादायक बताया। कुलपति प्रो. डॉ. रश्मि ने कहा कि इस सम्मेलन ने वैश्विक मंच पर भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता को और मजबूत किया है।

कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. डॉ. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. डॉ. अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार सहित विश्वविद्यालय परिवार उपस्थित रहा। संचालन डॉ. रंजना पांडेय और डॉ. अमरेश पांडेय ने किया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. डॉ. अशोक कुमार ने किया।

संक्षिप्त खबरें

बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती धूमधाम से मनायी गयी

कोडरमा : उत्तरी छोटानागपुर क्षत्रिय महासंघ की तिलैया प्रक्षेत्र द्वारा आज दिनांक 23 अप्रैल 2026 को बाबू वीर कुमार सिंह विजय जयंती समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आम बगीचा तिलैया बस्ती में स्थित सुरेंद्र सिंह विजय सिंह के घर के पास बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में तिलैया जोन के सभी क्षत्रिय बंधु उपस्थित हुए। कार्यक्रम में हमारे उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ के अध्यक्ष रामलखन सिंह,हमारे वरिष्ठ केंद्रीय कमेटी के पर्यवेक्षक, नारायण सिंह, राजेंद्र सिंह रामचंद्र सिंह, दिनेश सिंह अनेकों केंद्रीय कमेटी के सदस्य के साथ में झुमरी तिलैया में उपस्थित तिलैया जॉन के सभी गणमान्य क्षत्रिय बंधु तिलैया जोन के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह, उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, कैलाश सिंह, गणेश सिंह सुरेंद्र सिंह, मनोहर सिंह, विजय सिंह, शंकर सिंह,रविंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, मनोज सिंह, सुमित सिंह, अमित सिंह, नवीन सिंह, मंटू सिंह, शत्रुघ्न सिंह, राजू सिंह, जगदीश सिंह, गणेश सिंह, रणजीत सिंह, मिथिलेश सिंह, प्रकाश सिंह, रामदेव सिंह, विनय सिंह, उमेश सिंह सहित सैकड़ो क्षत्रिय बंधु इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुष्पांजलि पुष्प माला से अर्पण कर बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती समारोह को संपन्न किये। वीर कुंवर सिंह अमर रहे, भारत माता की जय। वंदे मातरम की जय घोष से पूरा वातावरण गूंज उठा ।ऐसे वीर शिरोमणि क्षत्रिय कुल में बार-बार जन्म लेते रहे ,और क्षत्रियों का मान सम्मान और मयार्दा बरकरार रखें। यही प्रेरणा हम सभी क्षत्रियों को इस समारोह में प्रेषित किया गया।

कोडरमा सदर में औचक निरीक्षण, 40 किलो खराब खाद्य सामग्री नष्ट

कोडरमा : खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी कोडरमा अभिषेक आनंद द्वारा कोडरमा सदर क्षेत्र स्थित सुधा स्वीट्स, वरदान स्वीट्स, राज स्वीट्स सहित विभिन्न मिठाई दुकान, किराना दुकान, फल दुकान एवं ठेला-खोमचा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का गहनता से जांच की गई। जांच के क्रम में सुधा स्वीट्स से लगभग 30 किलोग्राम खराब हो चुका खोआ एवं 10 किलोग्राम खराब पनीर को तत्काल नष्ट कराया गया। साथ ही प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने, मिठाइयों को स्वच्छ तरीके से ढककर रखने तथा डीप फ्रीजर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। खाद्य कारोबारियों को खाद्य स्वच्छता एवं सुरक्षा से संबंधित फास्टेक प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त किराना दुकानों में बिक्री किए जा रहे तेल, घी, सॉस, नमकीन, बेकरी उत्पाद एवं मसालों की गुणवत्ता की जांच की गई तथा प्रतिष्ठानों की स्वच्छता का मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी मिष्ठान भंडार, फूड स्टॉल, होटल, रेस्टोरेंट एवं ठेला-खोमचा संचालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि वे स्वच्छता एवं हाइजीन का पूर्ण पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का ही विक्रय करें। इस निरीक्षण अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के साथ सदर थाना की सहायक अवर पुलिस निरीक्षक शशि प्रभा, आरक्षी बाबूधन मुर्मू, आरक्षी मुन्ना महतो एवं चालक लाखपत यादव भी शामिल रहे।

पतरातू थाना से शुरू हुई डेली मीटिंग व्यवस्था, जवाबदेही होगी तय

रामगढ़ : अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और बेहतर कानून व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस ने नई प्रशासनिक पहल की शुरूआत की है। जिले के सभी थानों में अब प्रतिदिन डेली मीटिंग आयोजित की जाएगी। इसकी शुरूआत पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने पतरातू थाना से की, जहां अधिकारियों और कर्मियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की गई। पुलिस विभाग का मानना है कि किसी भी जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर नियंत्रण करने और मामलों के सफल उद्भेदन में थाना सबसे महत्वपूर्ण इकाई होता है। ऐसे में थाना स्तर पर हर पदाधिकारी और कर्मी की भूमिका स्पष्ट होना आवश्यक है। इसी सोच के तहत यह नई व्यवस्था लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक थाना प्रभारी प्रतिदिन सुबह थाना में पदस्थापित अधिकारियों और कर्मियों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में दिनभर के कार्यों का विभाजन किया जाएगा और हर अधिकारी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके लिए एक निर्धारित प्रपत्र तैयार किया गया है, जिसे 'टास्क ऑफ द डे' नाम दिया गया है। दैनिक बैठक में लंबित वारंट, कुर्की, सम्मन निष्पादन, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, आरोप पत्रित अपराधियों का भौतिक सत्यापन, चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, सीसीटीएनएस प्रविष्टि, लंबित कांडों के अनुसंधान, निष्पादन, ई-साक्ष्य संधारण तथा विधि-व्यवस्था से जुड़े कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

सभी के प्रयास से ही पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है : गौतम

कोडरमा : विश्व पृथ्वी दिवस सपताह के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा चिल्ड्रन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में तारा टावर झुमरीतिलैया के सभागार में पृथ्वी को प्लास्टिक मुक्त बनाने, सुरक्षित रखने को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बातौर मुख्य अतिथि उपस्थित प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी चीजे जैसे शुद्ध हवा, साफ पानी, भोजन और रहने की जगह पृथ्वी से ही प्राप्त होता है। लेकिन आज हमारी (पृथ्वी पर्यावरण) खतरे में है। एलईडीसीएस के अधिवक्ता नवल किशोर कहा कि जागरूक होकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेतकीब विकास और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण का संकट गहरा रहा है। यही कारण है कि आए दिन किसी न किसी हिस्से में प्राकृतिक तबाही होती रहती है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है हमे सोचने की जरूरत है । वही अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि इन सब घटनाओं के मूल में जलवायु परिवर्तन है। मानव द्वारा प्रकृति विरुद्ध की जा रही गतिविधियों के कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी के योगदान से पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है। मानव के लगातार दोहन से नदियां सूख रही है। धरती का जलस्तर नीचे जा रहा है। कल - कारखानों एवं गाड़ियों के लगातार प्रयोग से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है।

एक नजर

15 वर्षों से फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

खूंटी : जिले में 15 वर्षों से फरार हत्या का आरोपित मसी नाग उर्फ आनंद को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, साइको थाना कांड संख्या 45/201 से संबंधित हत्या मामले में मसी नाग (30) लंबे समय से फरार चल रहा था। वह सायको थाना के लुपुंगडीह का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में आरोपित ने अड़की थाना क्षेत्र के खिड़ा बोयसा टोली गांव निवासी सुरेश उर्फ सूरज पूर्ति की हत्या कर दी थी। घटना के बाद से आरोपित लगातार फरार चल रहा था। थाना प्रभारी साइको के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए साइको बाजार क्षेत्र से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया इसके बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे खूंटी जेल भेज दिया गया।

सभी के प्रयास से ही पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है : गौतम

- पृथ्वी से हमें ऑक्सीजन, जल एवं भोजन प्राप्त होता है
- पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, धरती को फिर से स्वर्ग बनाओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : विश्व पृथ्वी दिवस सपताह के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा चिल्ड्रन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में तारा टावर झुमरीतिलैया के सभागार में पृथ्वी को प्लास्टिक मुक्त बनाने, सुरक्षित रखने को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बातौर मुख्य अतिथि उपस्थित प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी चीजे जैसे शुद्ध हवा, साफ पानी, भोजन और रहने की जगह पृथ्वी से ही प्राप्त होता है। लेकिन आज हमारी खतरे में है।

एलईडीसीएस के अधिवक्ता नवल किशोर कहा कि जागरूक होकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेतकीब विकास और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण का संकट गहरा रहा है। यही कारण है कि आए दिन किसी न किसी हिस्से में प्राकृतिक तबाही होती रहती है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है हमे सोचने की जरूरत है । वही अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि इन सब घटनाओं के मूल में जलवायु परिवर्तन है। मानव द्वारा प्रकृति विरुद्ध की जा रही गतिविधियों के कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी के योगदान से पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है। मानव के लगातार दोहन से नदियां सूख रही है। धरती का जलस्तर नीचे जा रहा है। कल - कारखानों एवं गाड़ियों के लगातार प्रयोग से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। इस पर लगाम लगाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कचरे से पृथ्वी की जैव विविधता बुरी तरह प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि इससे छुटकारा पाने के लिए ठोस कदम उठाने ही होंगे। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई रोकनी होगी। साथ ही सबों को आगे जाकर नए पेड़ -पौधे लगाने के साथ-साथ उसकी देखभाल भी करनी होगी। इस अवसर पर कई पौधे भी लगाए गए। उन्होंने कहा कि मौके पर चिल्ड्रन ऑफ इंडिया फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर मारकंडे मिश्रा, प्रोग्रेस ऑफिसर दीनबंधु, तबस्सुम परवीन के अलावा बाल मित्र के बच्चे व महिलाएं उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आरपीएफ ने 10 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को लिया हिरासत में

सरिया : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक और दो में गुरुवार की सुबह लगभग 10 :30 बजे 10 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। जिसे उचित कार्रवाई हेतु उत्पाद विभाग गिरिडीह को सुपुर्द किया गया। इस संबंध में बताया गया कि आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार के निदेर्शानुसार ऑन ड्यूटी एएसआई एम के सिंह,प्रधान आरक्षी विकास कुमार व महिला आरक्षी पूनम कुमारी कार्यरत थी। इस दौरान एक युवक के पास रेलवे प्लेटफार्म पर एक भारी बैग लेकर यात्रा की तैयारी करते प्लेटफार्म पर देखा गया। शक होने पर उसके थैले की जांच की गई। जिसमें 10 बोतल शराब रॉयल स्टैग था। उक्त युवक को बरामद शराब के साथ आरपीएफ पोस्ट लाया गया। उक्त शराब की बाजार मूल्य?8200 अंकित की गई। हिरासत में लिए गए युवक ने बताया कि वह शराब को बिहार में ऊंची कीमत पर लेकर बेचता है। इधर आरपीएफ में उचित कागजी कार्रवाई के बाद उक्त युवक तथा बरामद शराब को उत्पाद विभाग गिरिडीह को सुपुर्द कर दिया।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक वीर कुंवर सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई

डोमचांच : प्रखंड क्षेत्र में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर कुंवर सिंह जी की जयंती बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डोमचांच प्रखंड के सभी क्षत्रिय एवं स्थानीय स्वजाति लोगों, समाजसेवियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संचालन शैलेन्द्र सिंह के द्वारा किया गया।कार्यक्रम स्थल पर वीर कुंवर सिंह जी का चित्र एवं प्रतिमा स्थापित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके अदम्य साहस, देशभक्ति और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मंच से वक्ताओं ने कहा कि लगभग 80 वर्ष की आयु में भी वीर कुंवर सिंह ने जिस बहादुरी से अंग्रेजों का सामना किया, वह इतिहास में अद्वितीय है। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों और भाषणों के माध्यम से लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की गई। आयोजन का उद्देश्य समाज को एकजुट करते हुए वीर सपूतों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना रहा।कार्यक्रम का आयोजन क्षत्रिय समाज डोमचांच प्रक्षेत्र द्वारा किया गया, जिसमें अशोक सिंह, कामख्या नारायण सिंह,शक्ति सिंह,राजेश सिंह,प्रदीप सिंह,संजय सिंह धारावी,शेखर सिंह,पवन सिंह,बिनु सिंह,अभिषेक सिंह,सुरेंद्र सिंह, विक्की सिंह,धवल सिंह,प्रिंस सिंह, उमाशंकर सिंह मुकेश सिंह आदि बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

चांडिल-काण्ड्रा रोड की जर्जर हालत, ग्रामीणों के आंदोलन के बाद प्रशासन ने की त्वरित कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चांडिल-काण्ड्रा रोड जर्जर हालत से निजात पाने के ग्रामीणों का आंदोलन कि जीत तथा स्थानीय प्रशासन संज्ञान में लिया त्वरित कार्रवाई के सम्बन्ध में । आप सब को सुचित करते हुए उपार हर्ष हो रही हैं कि बुधवार को 1 :00 1: 30 बजे अनुमंडल पदाधिकारी के पास रुदिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ज्योतिलाल महली तथा रोड आंदोलन का नेतृत्व दे रहे आशुदेव महतो, दोनों गये थे। रोड मरम्मती का स्थिति का जानकारी लेने हेतु। तब अनुमंडल पदाधिकारी ने उपायुक्त से फोन पर संपर्क किया जिस पता चला कि जिला में उसी मुद्दा पर मिटिंग चल रहा हैं। उपायुक्त महोदय ने कहा हम विभाग के सम्बन्धित पदाधिकारी तथा संवेदक भेज रहे हैं। फील्ड में आप लोग मिटिंग कर लिजिए। शाम को विभाग के पदाधिकारी तथा संवेदक ब्लॉक औफिस पहुंचे। उसी समय BDO फोन करके हमलोग को भी बुला गया। ग्रामीण प्रतिनिधि हमलोग चार लोग उपस्थित थे। रुदिया पंचायत के मुखिया सुबोधनी महली, ज्योतिलाल महली, आशुदेव महतो, कृष्ण चन्द्र महतो, मिटिंग हुआ। शाम 7 : 00 तक मिटिंग चला। अनुमंडल पदाधिकारी ग्रामीण का पक्ष रखा बहुत ही जोरदार तरीका से बात रखा। अनुमंडल पदाधिकारी विकास राय अपना बात के दौरान कहा डेढ़-दो साल से स्थानीय ग्रामीण जनता धुल खा रहे हैं । और किसी भी हाल में समय को टाला नहीं जा सकता । इऊड का रुम से सभी को निकाल कर धुल का प्रकोप दिखाया।

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को मिली प्रेरणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बागी टांड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा के प्रांगण में ग्रुप हेडक्वार्टर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा द्वारा आयोजित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के नौवें दिन का शुभारंभ उत्साह, उमंग और जोश के साथ हुआ। जिले भर से आए लगभग 600 एनसीसी कैडेट्स ने वार्म-अप, स्ट्रेचिंग एवं ड्रिल के साथ दिनचर्या की शुरूआत की।

शिविर का मुख्य आकर्षण आईआरपीएस एवं सीनियर डिविजनल पर्सनल ऑफिसर उज्ज्वल आनंद का प्रेरणादायक संबोधन रहा। भारतीय रेलवे में उत्कृष्ट कार्य के लिए दो बार भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित उज्ज्वल आनंद ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का मूल मंत्र उद्देश्य, अनुशासन और निरंतर मेहनत है। उन्होंने भाग्य की अपेक्षा पुरुषार्थ को अधिक महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने कर्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कालचक्र का उल्लेख करते हुए कहा कि परिस्थितियां मनुष्य के नियंत्रण से बाहर होती हैं, लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स से आह्वान किया कि वे भाग्य पर निर्भर रहने के बजाय अपने प्रयासों और दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ें। शिविर का संचालन कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने कैडेट्स को अनुशासन, परिश्रम और सही दिशा में निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने उज्ज्वल आनंद को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। फायरिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा की रुचिका कुमारी तथा सीएच प्लस टू हाई स्कूल की तनु कुमारी एवं अर्पिता कुमारी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी अधिकारी एवं डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट संतोष कुमार ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में सूबेदार मेजर जी.के. चौधरी, ट्रेनिंग जेसीओ बलविंदर सिंह तथा कल्चरल कोऑर्डिनेटर शिवानी शर्मा का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए ग्रुप सॉन्ग एवं ग्रुप डांस की तैयारी कराई है।

कार्यालय:-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in Mobile No. – 8987790115 Pin Code - 835207

पत्रांक ..../ दिनांक ..../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.02.2026 को गुप्त सूचना के आधार पर बसिया–सिसई पथ में मौजा–ओकबा खरवागढ़ा, थाना–बसिया के समीप से 59 पीस साल बोटा सहित एक ट्रक सं0–JH09S5158 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर बसिया वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वाहन के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 29.04.2026 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह– वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल।

PR.NO.378200 Forest, Environment and Climate Changes(26-27):D

कार की टक्कर से उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर के उलीडीह ओपी क्षेत्र स्थित डिमना रोड पर गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता की जान चली गई। माउंट व्यू स्कूल के पास सुबह करीब सात बजे हुई इस दुर्घटना में सुभाष कॉलोनी निवासी शशि भूषण (३८), जो उच्चतम न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे, गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शशि भूषण अपने इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी के साथ सड़क किनारे खड़े थे, तभी अचानक तेज गति से आ रही एक कार अनियंत्रित हो गई और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उन्हें लगभग 50 फीट तक घसीटते हुए ले गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना के तुरंत बाद चालक कार लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने चालक की पिटाई भी कर दी। हालांकि मौके की अफरातफरी का फायदा उठाकर चालक वहां से फरार हो गया।की घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही उलीडीह पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल शशि भूषण को तत्काल एमजीएम अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है।

मृतक के बड़े भाई शशि शेखर ने बताया कि शशि भूषण गुरुवार सुबह ही दिल्ली से जमशेदपुर लौटे थे। घर पहुंचने के बाद वे किसी आवश्यक कार्य से यह कहकर निकले थे कि जल्द लौट आएंगे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनके असामयिक निधन से परिवार में कोहराम मच गया है, वहीं जानने वालों में शोक की लहर है। बताया जाता है कि वे अपने पेशे में काफी सक्रिय और सामाजिक रूप से भी जुड़े हुए व्यक्ति थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर फरार चालक की पहचान की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि जल्द से जल्द आरोपित को गिरफ्तार किया जा सके।

गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर में नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय नजर आ रही है। इसी क्रम में सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार रात टाइगर मोबाइल की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को भारी मात्रा में गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के पास से लगभग 4 किलो गांजा बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, टाइगर मोबाइल के जवान तबरेज खान को गुप्त सूचना मिली थी कि सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित खालसा स्कूल के पास नशे की बड़ी खेप की सप्लाई होने वाली है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सादे वर्दी में तत्काल निगरानी शुरू कर दी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने लगे। कुछ ही देर में एक स्प्लेंडर बाइक पर सवार युवक वहां पहुंचा, जिसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं।

जवान ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो युवक घबरा गया और तेजी से बाइक लेकर भागने लगा। इसके बाद टाइगर मोबाइल की टीम ने उसका पीछा किया। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी लगातार बचने का प्रयास करता रहा। अंततः स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जवान को सख्ती दिखानी पड़ी और रिवॉल्वर तानकर आरोपी को काबू में लिया गया। इस दौरान आरोपित की बाइक भी गिर गई और हल्की धक्का-मुक्की में जवान तबरेज खान को मामूली चोटें आईं। हालांकि टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को सुरक्षित पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से करीब 4 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसे जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान बागबेड़ा निवासी मनीष मुखी उर्फ बिट्टू मुखी के रूप में हुई है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर यह जानने का प्रयास कर रही है कि वह यह गांजा कहां से लाया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। आशंका जताई जा रही है कि वह किसी बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। सिदगोड़ा थाना प्रभारी फैज अहमद ने बताया कि आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 09/2026-27

1 **विज्ञापन दाता का नाम** – कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2 परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय – 12-05-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3 निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – 13-05-2026 के अप0 2.30 बजे तक।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 13-05-2026 के अप0 3.00 बजे से।
5 परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान – (i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6 निविदा प्राप्ति का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7 कार्य विवरणी :–

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	Renovation and Electrification of Running Kalyan Hospital and Stablishment of Dental Clinic Eye Clinic and NCD Clinic Block – Bano in the District of Simdega (Part-1)	24,43,966.00	50,000.00	5,000.00	04 (Four) Months
2	Renovation and Electrification of Running Kalyan Hospital and Stablishment of Dental Clinic Eye Clinic and NCD Clinic Block – Bano in the District of Simdega (Part-2)	24,98,026.00	50,000.00	5,000.00	04 (Four) Months

निविदा की शर्तें– **WWW.jharkhand.gov.in** एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा।

PR 378229 (Simdega) 26-27 (D)

धरती बचाने का संकल्प, पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण 15 गांवों के किसानों को मिले 270 फलदार पौधे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संदेश के साथ ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज प्राइवेट आईटीआई उचरिंगा में अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन लायंस क्लब भुरकुंडा, जिंदल सीएसआर और ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। पूरे आयोजन में प्रकृति संरक्षण, वृक्षारोपण और ग्रामीण विकास का मजबूत संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर में फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि एक पौधा केवल पेड़ नहीं, बल्कि स्वच्छ हवा, छाया, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के प्राचार्य समित कुमार साहू ने अतिथियों के स्वागत के साथ की। उन्होंने लायंस क्लब के निदेशक अशोक सिंह, राजेंद्र महतो, विजय कुमार, जिंदल सीएसआर पतरातू की सौम्या और रश्मिता दास के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण का बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मुख्य अतिथि अशोक सिंह ने कहा कि हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस पूरी दुनिया को प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और घटते प्राकृतिक संसाधनों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अब केवल चर्चा नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने का समय है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मनुष्य सिर्फ पृथ्वी का निवासी नहीं, बल्कि इसका रक्षक भी है। विकास के नाम पर प्रकृति को नुकसान पहुंचाना भविष्य के लिए खतरा है।

सिमडेगा समाहरणालय, सिमडेगा (भू-अर्जन शाखा)प्रपत्र VII
झारखण्ड सरकार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निदेशालय)
या उपायुक्त या समुचित सरकार

अधिघोषणा
(अधिनियम–30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा सं0 .... दिनांक............................

चूँकि झारखण्ड सरकार/उपायुक्त सिमडेगा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम – नवाटोली, थाना नं0 – 114, थाना – कोलेबिरा, अंचल – कोलेबिरा में भूमि, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना – कोलेबिरा (**SH-04**) गांगूटोली–जामटोली (एन0एच0–143 पर) पथ भाग – 1 कि0मी0 से कि0मी0 10.36 एवं भाग – 2 कि0मी0 22.00 से कि0मी0 38.95) कुल लम्बाई 28.31 कि0मी0 तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य वर्ष 2022–23 में अधिघोषणा प्रकाशन की तिथि 09.11.2022 रकबा 1.4275 एकड़ भूमि का पूर्व में अधिग्रहण की कार्रवाई पूर्ण कर आंशिक रुप से मुआवजा भुगतान कर दिया गया है छुटे हुए रैयतों का अधियाची विभाग के द्वारा मौजा – नवाटोली (अनुपूरक) कार्य हेतु अपेक्षित है। अतएव अधिघोशित किया जाता है कि ग्राम – नवाटोली, थाना नं0 – 114, थाना – कोलेबिरा, अंचल – कोलेबिरा, जिला – सिमडेगा में उपर्युक्त कथित योजना के लिए कमोवेश 0.155 एकड़ यानि 0.06272 हेक्टेयर मानक माप का रैयती/गैरमजरुआ भूखण्ड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है –

क0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखण्ड सं0	स्वमित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल एकड़ में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	सीमा भूखण्ड संख्या				वृक्ष		संरचनाएँ	
							उ0	द0	पू0	प.0	किस्म	संख्या	प्रकार	प्लिंथ एरिया **Sft.**
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	59	1258	रैयती	परती जदीद टांड़ दो	0.045	राजेन्द्र ओहदार वगैरह								
2	59	1260	रैयती	टांड़ दो	0.05	राजेन्द्र ओहदार वगैरह								
3	59	1216	रैयती	परती जदीद टांड़ दो	0.025	राजेन्द्र ओहदार वगैरह								
4	59	1217	रैयती	टांड़ दो	0.035	राजेन्द्र ओहदार वगैरह								
कुल					**0.155**									

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या – 30/2013 की धारा – 15(1) में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या शून्य है।

उपायुक्त,
सिमडेगा

PR 378236 Simdega (26-27)_D

बीमा से क्यों दूर है आम भारतीय

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। ऊंची विकास दर, डिजिटल क्रांति, बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति- ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है- भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन यानी बीमा से दूर है। विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है- बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं, रोजगार की अस्थिरता- वहीं बीमा को अब भी अतिरिक्त खर्च समझा जाता है, न कि जरूरी सुरक्षा कवच। भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बीमा घनत्व और पैठ दोनों वैश्विक औसत से नीचे हैं। ग्रामीण भारत, जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है। जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य, फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा? इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है- जागरूकता की कमी। देश के बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है। गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है। एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना, पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं। परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना बेहतर समझते हैं। दूसरा बड़ा कारण है, आर्थिक प्राथमिकताएं। जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो, तब बीमा जैसी चीज उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती। आम भारतीय के लिए पहले भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं; बीमा उसके बाद आता है। यह सोच गलत नहीं है लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी-सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है। तीसरा कारण है, बीमा उत्पादों की जटिलता। बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं। लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ- ये सब मिलकर बीमा को एक कठिन और उलझा हुआ उत्पाद बना देते हैं। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है। इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती। इसके साथ ही, दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से आमजनों की दूरी का एक बड़ा कारण है। अक्सर सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है। इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का। वितरण प्रणाली की कमजोरी भी अहम कारण है। बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है, जिसकी पहुंच सीमित है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा। इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को 'भगवान की मर्जी' मान लिया जाता है। जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है। लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा- पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है। हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है।

36 भाषाओं के जानकार ने की थी, 8वीं तक की पढ़ाई!

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

कितना आश्चर्य होता है, जब यह तथ्य उद्घाटित होता है कि एकमात्र ऐसा व्यक्ति, जिसने मात्र आठवीं तक की पढ़ाई की हो; परन्तु छत्तीस भाषाओं का ज्ञाता हो। उन दिनों स्वाध्याय को प्राथमिकता दी जाती थी; डिग्री-डिप्लोमा की कोई विशेष उपयोगिता नहीं होती थी; समाज में अनुभव सम्पन्न व्यक्तित्व की गणना होती थी। यहाँ हमारा संकेत उस शब्दजीवी से है, जिसने अपने पाण्डित्य और पुरुषार्थ के समक्ष विश्व को नतमस्तक कर दिया था और प्रबुद्ध-समाज ने उसे हाथों-हाथ लेकर 'महापण्डित' की उपाधि से समलंकृत किया था; क्योंकि उसने हिन्दी-साहित्य से सम्बन्धित शताधिक कृतियों का प्रणयन किया था। उसकी यायावरी वृत्ति इतनी चर्चित रही है कि उस शब्द निष्णात शिल्पी को 'हिन्दीयात्रा-साहित्य का पितामह' के रूप मे मान्यता दी गयी है।

साहित्य-जगत के 'महापण्डित' का नाम-स्मरण आते ही, जिस सारस्वत हस्ताक्षर का चित्र उभरता है, वह है- राहुल सांकृत्यायन। उन्हें मध्य-एशिया के इतिहास लिखने वाले प्रथम भारतीय के रूप में भी जाना जाता है। १९२३ ई० से राहुल सांकृत्यायन की देशान्तर मे भ्रमण करने की उत्कट इच्छा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप वे उसी वर्ष नेपाल गये थे। श्रीलंका गये थे, जहाँ वे डेढ़ माह तक रहे। वह जगह इतनी रास आयी थी कि वे वहाँ तीन बार गये थे। दूसरी और तीसरी बार क्रमशः १९३६ और १९५३ ई० में। वे श्रीलंका में भी गये थे :- १९२७ और १९६० ई० में। अपनी पहली श्रीलंका-यात्रा मे उन्होंने १९ माह तक अध्यापन-कार्य किया था और दूसरी यात्रा में वहाँ कुछ समय रहकर अनेक ग्रन्थों का प्रणयन भी किया था। वे चीन और तिब्बत भी गये थे। उन्होंने १९३२ ई० में यूरोप; १९३५ ई० में जापान, कोरिया, मंचूरिया, सोवियत लैण्ड और ईरान; १९३८ ई० में अफगानिस्तान; १९४५ ई० में पुनः ईरान में प्रवास किये थे। वे तीन वर्ष (१९४५ से १९४७ ई०) तक रूस में रहे, जहाँ उनकी विद्वत्ता से प्रभावित होकर उनसे लेनिनग्राद युनिवर्सिटी में प्राध्यापन करने का आग्रह किया गया था, जिसे स्वीकार कर लिया था।

तत्त्वान्वेषी और घुमक्कड़ी प्रवृत्ति के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध राहुल सांकृत्यायन ने अपने ऐतिहासिक अन्वेषण के क्षेत्र में जितनी श्रद्धा, निष्ठा और लगन दिखायी थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है; क्योंकि जब गमनागमन के लिए द्रुत गतिवाले साधन प्रचलन में नहीं होते थे तब वे लंका, तिब्बत, पर्वत, पहाड़, खाई, जंगल आदिक से हजारों मील दूर तक भटकते हुए श्रीलंका, तिब्बत, बर्मा इत्यादिक क्षेत्रों से गहन पड़ताल करते हुए, बिखरी हुई पाण्डुलिपियों को खच्चर पर लादकर लाते हुए, भारत की सीमा में प्रवेश कर जाते थे। यही कारण था कि उन्होंने अपने अध्यवसाय और परिश्रम के बल पर इतः-ततः बिखरी और उपेक्षित पड़ी बहुभाषी पाण्डुलिपियों का उद्धार किया था। चूँकि उन्हें संस्कृत, हिन्दी, तमिल कन्नड़, पालि, तिब्बती, अँगरेजी, रसन, फ्रेंच, जैपेनीज अरबी, फारसी इत्यादिक ३६ भाषाओं का बोध था अतः पाण्डुलिपियों मे किस प्रकार का कहाँ-कहाँ ज्ञान भरा हुआ था और उसका साहित्य-संवर्द्धन करने में कितना महत्त्व था, इसे बहुविध समझ जाते थे। यही कारण था कि उन्होंने तिब्बत से लेकर श्रीलंका तथा मध्य-एशिया और काकेशस तक का भ्रमण किया था और वहाँ के वातावरण से प्रभावित होकर अपने यात्रावृत्त का लेखन भी किया था, जिसने यात्रा संस्मरण के एक अनुभव सम्पन्न अध्याय का प्रारम्भ भी किया था, जिसे प्रमाणित करती हैंझ लद्दाख-यात्रा, लंका-यात्रा, तिब्बत में सवा वर्ष, यात्रा के पन्ने, कुमायूँ, किन्नर देश की ओर, दार्जिलिंग परिचय, एशिया के दुर्गम भूखण्डों में, यूरोप-यात्रा इत्यादिक ज्ञानप्रधान कृतियाँ।

उनकी यायावरी वृत्ति का परिणाम था कि उन्होंने कोश, यात्रा-साहित्य, अध्यात्म, संस्कृति, धर्म, दर्शन, इतिहास, राजनीति, जीवनी, लोकसाहित्य इत्यादिक विषयों पर पाण्डुलिपि लेखन किया था। चूँकि उन्होंने देश-देशान्तर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राकृतिक सम्पदा, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनदशा इत्यादिक का समीप से गहनतापूर्वक परिशीलन किया था अतः उनकी कृतियाँ अनुभवजन्य प्रतीत होती हैं। उनकी मान्यता रही है :झ "घुमक्कड़ी मानव-मन की मुक्ति का साधन होने के साथ-साथ, अपने क्षितिज-विस्तार का भी साधन है।" उन्होंने आह्वान किया था :झ "कमर बाँध लो भावी घुमक्कड़ों! संसार तुम्हारे स्वागत के लिए बेकरार है।"

उनका जीवन अन्तर्विरोध से भरा हुआ था। वे परिवार-स्तर पर 'वैष्णव-मत' से सम्बद्ध रहे; आगे चलकर, आर्य समाज और बौद्ध धर्म से होते हुए, वामपन्थ से आ जुड़े, जो अन्तिम गन्तव्य रहा। इस प्रकार उन्होंने आजीवन बौद्ध मत और मार्क्सवाद के साथ सामंजस्य स्थापित किया था; क्योंकि इसके पीछे अनात्मवाद, जनतन्त्र के प्रति विश्वास एवं वैयक्तिक सम्पत्ति-विरोध रहा था; क्योंकि वे बातें दोनों में समान रूप से दिखायी देती हैं। जब उन्होंने वेदान्त का अनुशीलन किया था तब उनकी दृष्टि उन्मीलित हुई और वे सत्य-ज्ञान की तलाश मे निकल पड़े। जब भी सत्य पर प्रहार किया जाता था तब वे विद्रोही की मुद्रा में दिखते थे। इसे समझने के लिए उनकी पुस्तक 'बाईसवीं सदी' का अध्ययन किया जा सकता है। उन्होंने मन्दिरों में बलिदान प्रथा के प्रति सार्वजनिक रूप से अपने मुखर विचार को प्रकट किया था तब अपने धन्धे को मन्दा पड़ता देखकर, अयोध्या के तथाकथित सनातनी लाठी लेकर उन पर पिल पड़े थे। उन्हें हिन्दू धर्म के पाखण्ड के प्रति इतनी वितृष्णा हो गयी थी कि उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया; परन्तु वहाँ भी वे पुनर्जन्म की व्यवस्था के विरुद्ध थे। उन्हें 'वामपन्थ' के प्रति आकर्षण था। उससे जुड़ने के बाद भी उन्होंने सोवियत संघ के साम्यवादी दल में सम्मिलित सत्तालोलुप और सुविधापरस्त नेताओं की भर्त्सना की थी।

१९४७ ई० में अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप मे उन्हें जो आलेख भाषण के रूप मे पढ़ने के लिए दिया गया था, उन्होंने उसे हटाकर अपना मौलिक भाषण किया था, जो साम्यवादी दल की नीतियों के विरुद्ध था; क्योंकि उन्होंने उसमें अल्पसंख्यक संस्कृति, सभ्यता, परम्परा एवं भाषिक प्रश्न किये थे। यद्यपि उन्हें दल की सदस्यता से वंचित रखा गया था तथापि उनकी मुखरता कुन्द नहीं हुई। इस सम्बन्ध में उनके तर्क और तथ्य को समझने के लिए उनकी वैचारिक कृतियों :झ 'वैज्ञानिक भौतिकवाद' और 'दर्शन-दिग्दर्शन' का अध्ययन करना होगा। राहुल के जीवन का एक अन्य पक्ष अत्यन्त रोचक रहा; क्योंकि एक राहुल में जाने कितने नामकरण की सम्भावना बनी रही, जो फलीभूत भी होती रही। बचपन में केदारनाथ पाण्डेय आगे चलकर दामोदर स्वामी बन बैठे; राहुल सांकृत्यायन तो कहलाये ही, त्रिपिटिकाचार्य के नाम से जाने गये।

मनुष्य के जीवन में शब्दशक्ति का कितना और कैसा प्रभाव पड़ता है, इसे समझने के लिए राहुल की बाल्यावस्था के साथ साक्षात करना होगा; क्योंकि राहुल का बचपन केदारनाथ पाण्डेय के नाम से दूसरी कक्षा से तीसरी कक्षा में पहुँचा था तब उन्होंने उर्दू की पाठ्य पुस्तक में एक शे'र पढ़ा था, जिसने उन्हें 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' के रूप मे ला खड़ा किया था :झ

'सैर कर दुनिया की गाफिल, जिन्दगानी फिर कहाँ?
जिन्दगी गर कुछ रही तो, ये जवानी फिर कहाँ?"

राहुल ने लिखा भी है :झ ₹इस शेर ने मेरे मन और भविष्य के जीवन पर बहुत प्रभाव डाला।'

प्रभाव घातक भी था। उनके परिवार में उनकी ११ वर्ष की अवस्था में विवाह करने की बात उठी तब वे विद्रोही हो बैठे। यायावरी और विद्रोह की प्रवृत्ति उनके मन-मस्तिष्क की जड़ों तक ऐसी पहुँची कि पन्दहा गाँव, आजमगढ़ में ९ अप्रैल, १८९३ ई० को जन्मा बालक केदारनाथ मात्र १६ वर्ष की अवस्था में घर से भागकर कलकत्ता पहुँचा, जहाँ वह ४ माह तक रहा; वहाँ से भागकर काशी पहुँचा, जहाँ वह संस्कृत, हिन्दी और अँगरेजी भाषाओं का अध्ययन करने लगा; आगरा पहुँच कर अरबी-फारसी के अध्ययन में संलग्न हो गया। इसी क्रम में वैराग्य उत्पन्न हो गया, तब अवस्था मात्र १७ वर्ष की थी। फिर क्या था! मन विचलित भी होता रहा। वह सारस्वत योगी पैदल ही अयोध्या, हरिद्वार, हिमालय, देवप्रयाग, जमुनोत्री, केदारनाथ-बदरीनाथ की ओर चल पड़ा था। अब वह बालक वय-वार्द्धक्य के साथ राहुल सांकृत्यायन के नाम से प्रतिष्ठा अर्जित कर चुका था।

राहुल सांकृत्यायन एक कर्मयोद्धा थे। भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन में उनकी महती भूमिका रही है। वे १९४० ई० में बिहार के कृषक आन्दोलन में सामन्तवादी जमीदारों के शोषण के विरुद्ध सक्रिय भूमिका-निर्वहण करते हुए, कृषक-सत्याग्रहियों के साथ हँसिया लेकर खेतों में उतर कर गन्ना की फसल काटने लगे, जिसके विरोध मे जमीदारों के गुण्डों ने उनके सिर पर लाठी से प्रहार कर दिये थे, जिससे उनका सिर फट गया था, फिर भी उन्होंने कोई चिन्ता नहीं की। किसानों के पक्ष में अपनी आवाज बुलन्द करते रहने के कारण उन्हें एक वर्ष का कारावास दण्ड दिया गया था, जिसका उन्होंने रचना स्तर पर सदुपयोग किया था और कारावास जीवन जीते हुए 'दर्शन-दिग्दर्शन' का प्रणयन कर लिया था। वे किसानों के पक्ष में अँगरेज-प्रशासन से लोहा लेते रहे। वे अँगरेजों के अत्याचार के विरुद्ध लड़ते रहे।

राहुल सांकृत्यायन एक सुयोग्य पत्रकार थे और स्वाभिमानी भी, जिसे एक घटना-प्रसंग से समझा जा सकता है। राहुल सांकृत्यायन को "भारत छोड़ो" आन्दोलन के समय बन्दी बना लिया गया था। जब उन्हें मुक्त किया गया था तब उन्हें कृषक आन्दोलन के चर्चित नेता सहजानन्द ने अपने हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र 'हुंकार' का सम्पादक मनोनीत किया था। गोरी सरकार बहुत शातिर थी। उसने 'फूट डालो और राज करो" के आधार पर जो गैर-काँग्रेसी समाचार पत्र-पत्रिकाएँ थीं, उनके लिए उसने चार अंकों के लिए एक विज्ञापन प्रसारित किया था, जिसका शीर्षक था- 'गुण्डों से लड़िए।' उस विज्ञापन की विशेषता यह थी कि उसमें एक व्यक्ति को गांधी टोपी और जवाहर बण्डी पहने आग लगाते हुए प्रदर्शित किया गया था। 'हुंकार' के स्वामी सहजानन्द ने विज्ञापन की बड़ी धनराशि देखकर उस विज्ञापन को प्रकाशित करने के लिए राहुल सांकृत्यायन के पास भेजा था, जिसे देखते ही राहुल ने उसे मुद्रित कराने से इन्कार करते हुए, अपने को उस समाचार पत्र से अलग कर लिया था; क्योंकि वे महात्मा गांधी और पं० जवाहरलाल नेहरू का सम्मान भारत का सम्मान मानते थे।

डिजिटल क्रांति और एआई के दौर में स्याही से पिक्सल तक बदलती हिंदी पत्रकारिता

अजय कुमार

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गवाह है कि इसने हमेशा समाज की धड़कनों को शब्दों के जरिए कागज पर उतारा है, लेकिन पिछले एक दशक में इस सफर ने जो मोड़ लिया है, वह किसी महाकाव्य के अध्याय बदलने जैसा है। कल तक सुबह के अखबार की दस्तक और चाय की चुस्की के साथ शुरू होने वाला सूचनाओं का सिलसिला अब अंगूठे के एक स्वाइप पर सिमट गया है। प्रिंट मीडिया, जो कभी सत्ता के गलियारों में हलचल पैदा करने का इकलौता जरिया था, आज डिजिटल और वीडियो प्लेटफॉर्म्स की सुनामी के बीच अपनी जमीन बचाने और खुद को नए सांचे में ढालने की जद्दोजहद कर रहा है। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं है, बल्कि यह पत्रकारिता के मिजाज, उसकी भाषा और सबसे महत्वपूर्ण, उसके सरोकारों के बदलने की कहानी है।

जब हम प्रिंट से डिजिटल और फिर यूट्यूब के इस त्रिकोणीय सफर को देखते हैं, तो आंकड़ों की जुबानी इस बदलाव की भयावहता और भव्यता दोनों समझ आती है। एक दौर था जब हिंदी के प्रमुख अखबारों की प्रसार संख्या करोड़ों में हुआ करती थी, लेकिन हालिया वर्षों में 'डिजिटल फर्स्ट' के मंत्र ने इस समीकरण को उलट दिया है। आज भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 80 करोड़ के पार पहुंच चुकी है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अपनी खबरों के लिए केवल सोशल मीडिया और यूट्यूब पर निर्भर है। प्रिंट के दौर में 'डेडलाइन' का एक अनुशासन था। संपादक के पास समय होता था कि वह खबर की तह तक जाए, उसे परखे और फिर पाठकों के सामने परोसे। लेकिन आज के 'ब्रेकिंग न्यूज' और 'वायरल कल्चर' ने उस ठहराव को छीन लिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने खबर की रफ्तार को तो पंख लगा दिए, लेकिन इस रफ्तार में कहीं न कहीं वह गहराई पीछे छूट गई जो कभी हिंदी लेखनी की पहचान हुआ करती थी।

इस संक्रमण काल में सबसे अधिक प्रभावित हुई है पत्रकारिता की भाषा और उसका अर्थशास्त्र। जो हिंदी कभी साहित्यिक मयार्दाओं और व्याकरण की शुचिता से बंधी थी, वह अब 'क्लिक' पाने की मजबूरी में हिंग्लिश और बोलचाल की सरलता की ओर झुक गई है। डिजिटल स्क्रीन पर पाठक की एकाग्रता का समय (अटेंशन स्पैन) मात्र 8 से 12 सेकंड रह गया है, इसलिए अब लंबे विश्लेषणों की जगह 'इनफोग्राफिक्स' और 'शॉर्ट्स' ने ले ली है। यूट्यूब जैसे मंचों ने तो पत्रकारिता के व्याकरण को ही उलट दिया है। यहाँ अब 'एंकर' और 'संवाददाता' के बीच की लकीर मिट गई है। हर वह व्यक्ति जिसके पास कैमरा और इंटरनेट है, वह खुद को एक मीडिया संस्थान के रूप में पेश कर रहा है। इससे एक ओर तो मुख्यधारा के मीडिया से छूटे हुए मुद्दे सामने आए हैं, लेकिन दूसरी ओर सतही ज्ञान और सनसनी का एक ऐसा बाजार सज गया है जिसने गंभीर विमर्श को हाशिए पर धकेल दिया है।

अब इस परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रवेश एक नए और चुनौतीपूर्ण युग की आहट है। न्यूजहॉल के भीतर अब एआई केवल डेटा विश्लेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खबरों को लिखने, अनुवाद करने और यहाँ तक कि न्यूज एंकरिंग तक में दखल दे रहा है। एआई ने पत्रकारिता की कार्यक्षमता को तो कई गुना बढ़ा दिया है, लेकिन इसके साथ ही इसने 'मानवीय संवेदना' और 'नैतिकता' पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जब एक मशीन खबर लिखती है, तो वह तथ्यों को जोड़ तो सकती है, लेकिन वह उस मानवीय पीड़ा को शब्द नहीं दे सकती जो एक रिपोर्टर मौके पर महसूस करता है। एआई का सबसे खतरनाक प्रभाव 'डीपफेक' के रूप में सामने आ रहा है, जहाँ 70 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता असली और नकली वीडियो में फर्क नहीं कर पाते। एल्गोरिदम अब यह तय कर रहे हैं कि आप क्या पढ़ेंगे, जिससे समाज में 'फिल्टर बबल' बन रहे हैं यानी व्यक्ति केवल अपनी पसंद की कट्टर सोच वाली खबरें ही देख पाता है।

आर्थिक मोर्चे पर भी यह बदलाव किसी भूकंप से कम नहीं है। प्रिंट मीडिया का जो विज्ञापन राजस्व कभी 40 प्रतिशत की दर से बढ़ता था, वह अब सिमटकर डिजिटल दिग्गजों की जेब में जा रहा है। डिजिटल मीडिया में राजस्व का मॉडल अभी भी प्रयोग के दौर से गुजर रहा है। 'पेवॉल' और 'सब्सक्रिप्शन' जैसी कोशिशें हिंदी पट्टी में अभी भी संघर्ष कर रही हैं। नतीजा यह है कि राजस्व के लिए मीडिया घरानों को अब 'स्पॉन्सर्ड कंटेंट' का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे निष्पक्षता की दीवारें कमजोर हुई हैं। यूट्यूब ने एक नए अर्थशास्त्र को जन्म दिया है, जहां 'व्यूज' और 'वॉच टाइम' ही सबसे बड़ी मुद्रा है। जब खबर का महत्व उसकी सामाजिक उपयोगिता से नहीं बल्कि उसके 'वायरल' होने की क्षमता से तय होने लगे, तो यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए खतरे की घंटी है। बावजूद इसके, इस बदलाव ने पत्रकारिता को दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों के वातानुकूलित कमरों से निकालकर छोटे शहरों और कस्बों की गलियों तक पहुँचा दिया है। आज ग्रांउड रिपोर्टिंग का अर्थ केवल बड़े चैनलों की ओबी वैन नहीं, बल्कि एक मोबाइल हाथ में थामे वह निर्भीक पत्रकार भी है जो सत्ता से सीधे सवाल पूछ रहा है। भविष्य की हिंदी पत्रकारिता अब एक 'हाइब्रिड' मॉडल की ओर बढ़ रही है।

अखबार अब केवल सूचना के वाहक नहीं, बल्कि गहन विश्लेषण के दस्तावेज बन रहे हैं। एआई के दौर में असली चुनौती केवल तकनीक को अपनाने की नहीं है, बल्कि उस 'साख' को बचाने की है जो मशीनी शोर में कहीं दब गई है। हिंदी पत्रकारिता का यह सफर स्याही से पिक्सल और अब एआई तक तो पहुंच गया है, लेकिन इसकी सार्थकता तभी बनी रहेगी जब यह 'सत्य' की उस मशाल को जलाए रखेगा जिसे लेकर भारतेन्दु हरिश्चंद्र और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे पुरोधाओं ने इसे शुरू किया था। तकनीक और मशीनें केवल उपकरण हो सकती हैं, पत्रकारिता की आत्मा तो हमेशा मानवीय विवेक और जनसरोकार ही रहेगी।

सूडोकु नवताल- 7774

✱✡✡✡✡ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7773 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

मायावती का मिशन 2027: सोशल इंजीनियरिंग और एसआईआर के चक्रव्यूह से सत्ता वापसी की तैयारी

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। जहां समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव 'पीडीए' के नारे के साथ मिशन-2027 का बिगुल फूंक चुके हैं और सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी खामोश लेकिन बेहद मारक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति जो पिछले कुछ समय से दो ध्रुवीय होती दिख रही थी, उसे मायावती एक बार फिर त्रिकोणीय बनाने की कवायद में जुट गई हैं। इस बार उनकी रणनीति सिर्फ नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जमीनी स्तर पर डेटा और 'सोशल इंजीनियरिंग' के घातक मिश्रण के साथ मैदान में उतर रही हैं। मायावती के लिए यह चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं है, बल्कि पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखने और दलित राजनीति की धुरी को फिर से अपने पाले में लाने की बड़ी चुनौती है।

मायावती ने इस बार अपने पत्ते बेहद सावधानी से खोले हैं। उन्होंने 2027 के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में एक नया और तकनीकी मोड़ दिया है, जिसे 'एसआईआर' (मतदाता सूची पुनरीक्षण) अभियान से जोड़ा गया है। आम तौर पर पार्टियां चुनाव से ऐन पहले टिकट बांटती हैं, लेकिन बसपा ने पहले ही करीब 40-50 सीटों पर संभावित उम्मीदवारों को हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, अब इस रणनीति में अचानक बदलाव किया गया है। मायावती ने अब उन नेताओं को तवज्जो देने का फैसला किया है जिन्होंने एसआईआर अभियान के दौरान बूथ स्तर पर सक्रियता दिखाई। पार्टी का मानना है कि चुनाव सिर्फ रैलियों से नहीं, बल्कि वोटर लिस्ट में अपने समर्थकों के नाम सुरक्षित रखने से जीते जाते हैं। मायावती ने करीब 15 हजार बूथ कमेटियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट का मकसद यह समझना है कि कहां उनके वोट बैंक में सेंध लगी है और कहां साजिश के तहत समर्थकों के नाम काटे गए। जो पदाधिकारी इन कटे हुए नामों को दोबारा जुड़वाने और बूथ को मजबूत करने के मोर्चे पर सफल रहे हैं, उन्हीं की दावेदारी अब टिकट के लिए पुख्ता मानी जाएगी।

बसपा की इस नई रणनीति के केंद्र में वह 'सोशल इंजीनियरिंग' है, जिसने 2007 में पार्टी को पूर्ण बहुमत की सरकार तक पहुंचाया था। मायावती एक बार फिर 'दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम' गठजोड़ को जीवित करने की कोशिश कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के बदलते सियासी समीकरणों के बीच मायावती यह समझ चुकी हैं कि केवल एक वर्ग के भरोसे सत्ता की कुर्सी तक नहीं पहुंचा जा सकता। इसीलिए उन्होंने हर विधानसभा सीट पर चार-चार दावेदारों का पैनल तैयार करवाया है। इन दावेदारों को उनकी जातीय पकड़ और स्थानीय समीकरणों के आधार पर परखा जा रहा है। मायावती ने मंडल और जोनल कोऑर्डिनेटरों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे जातियों के गणित की सटीक रिपोर्ट दें। अगर किसी सीट पर दलित वोटों के साथ मुस्लिम या ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं, तो वहां उसी समाज के मजबूत चेहरे को तलाशा जा रहा है। यह प्रक्रिया काफी गहरी है, जिसमें पहले क्षेत्र प्रभारी बनाया जाता है और फिर उसकी सक्रियता के आधार पर उसे प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

मायावती का दिल्ली से लखनऊ और फिर लखनऊ से दिल्ली का दौरा भी इसी रणनीति का हिस्सा है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जहां बसपा का आधार हमेशा से मजबूत रहा है, वहां के समीकरणों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी मायावती ने खुद संभाली है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कहना है कि पार्टी इस बार किसी बड़े दल से गठबंधन के बजाय अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी का मानना है कि गठबंधन से उनके वोट दूसरे दलों को ट्रांसफर हो जाते हैं, लेकिन दूसरे दलों के वोट बसपा को नहीं मिलते। ऐसे में अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजकर रखना और उसमें दूसरे वर्गों को जोड़ना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है। मायावती अब उन बूथों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जहां पिछले चुनावों में बसपा का प्रदर्शन गिरा था। वह खुद जिलों से आने वाली एक-एक रिपोर्ट की समीक्षा कर रही हैं और इस बात पर जोर दे रही हैं कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से कट गए हैं, उन्हें दोबारा हर हाल में जुड़वाया जाए। इस पूरे अभियान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह संदेश है जो मायावती अपने कार्यकताओं को दे रही हैं। वह लगातार बैठकों में इस बात का जिक्र कर रही हैं कि बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर काम करती है। समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच चल रही तकरार के बीच मायावती खुद को एक गंभीर और अनुशासित विकल्प के तौर पर पेश कर रही हैं। वह जानती हैं कि 2027 में सत्ता तक पहुंचने का रास्ता उन छोटी जातियों और समुदायों से होकर गुजरता है जो फिलहाल मुख्यधारा की राजनीति में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि उनके टिकट वितरण में इस बार जातियों की केमिस्ट्री पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है। एसआईआर अभियान से हुए नफे-नुकसान का आकलन कर उम्मीदवारों के चयन की यह पद्धति उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया प्रयोग है, जो यह दशार्ता है कि मायावती अब पुरानी शैली को आधुनिक चुनावी प्रबंधन के साथ जोड़ रही हैं।

हालांकि, राह इतनी आसान भी नहीं है। उत्तर प्रदेश में दलित वोटों के लिए भाजपा और सपा दोनों ने ही बड़ी सेंधमारी की है। चंद्रशेखर आजाद जैसे नए युवा चेहरों ने भी दलित राजनीति में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में मायावती का पुराना 'सोशल इंजीनियरिंग' फॉमूर्ला कितना कारगर होगा, यह बड़ा सवाल है।

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

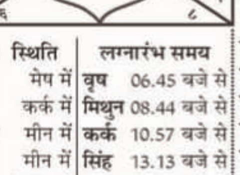

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.45 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.44 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.57 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.25 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.36 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.50 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.06 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.12 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.58 बजे से
10.30 से		मीन	03.31 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	05.01 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 114 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 19.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 20.15 बजे को समाप्त।
योग शूल 01.25 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 08.02 बजे तदनन्तर बव 19.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12°48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872689
जूलियन दिन 2461154.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, बगलामुखी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

कृषि योजनाओं एवं 'धरती माता बचाओ अभियान' को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला कृषि पदाधिकारी, साहेबगंज की अध्यक्षता में आत्मा सभागार, साहेबगंज में कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा "धरती माता बचाओ अभियान" पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया, जिससे खेती की लागत में कमी आएगी तथा बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा। अभियान के सफल संचालन हेतु ग्राम पंचायत, अनुमंडल एवं जिला स्तर पर निगरानी समितियों के गठन का निर्देश दिया गया। बैठक में आगामी खरीफ मौसम 2026 के लिए आत्मनिर्भरता इन पल्सर योजना के तहत दलहनी फसल बीज उत्पादन हेतु किसानों, कृषक समूहों, एफपीओ एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के चयन का निर्देश दिया गया। बीज प्रसंस्करण इकाई की स्थापना हेतु 33% अनुदान (अधिकतम 25 लाख) प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही, किसानों को आधार बीज उपलब्ध कराने एवं उत्पादित बीज पर प्रोत्साहन राशि देने का भी प्रावधान बताया गया। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा विभिन्न योजनाओं जैसे–
खरीफ बीज वितरण, बिरसा फसल विस्तार योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, मिलेट मिशन, फसल सुरक्षा कार्यक्रम, प्रति बूंद अधिक फसल, डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान समृद्धि योजना, आत्मा एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन की प्रगति की समीक्षा की गई। बिरसा फसल विस्तार योजना के अंतर्गत बीज वितरण के लिए संकुल चयन करने तथा आदिम जनजाति एवं पहाड़िया समुदाय के किसानों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। किसान क्रेडिट कार्ड अभियान (20 अप्रैल से 20 मई 2026) को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मिलेट मिशन के तहत किसानों को मिलेट फसल की खेती हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया, जिसके अंतर्गत 3000 प्रति एकड़ (अधिकतम 15000 तक) प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना के तहत मिट्टी नमूना संग्रह के लक्ष्य को समय पर पूर्ण करने एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया। जिले में अब तक 64,108 कृषकों का ब्लॉकचेन प्रणाली में निबंधन किया जा चुका है। सभी प्रखंडों को प्रत्येक माह न्यूनतम 1000 नए किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। किसान समृद्धि योजना के तहत चलंत सोलर इकाइयों के वितरण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। अब तक 337 पंप सेटों के विरुद्ध 296 पंप सेटों का अधिष्ठापन किया जा चुका है। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोगता, उप परियोजना निदेशक (आत्मा) मंटू कुमार सहित सभी प्रखंडों के कृषि पदाधिकारी, तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, एफपीओ प्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मी उपस्थित थे।

हिरणपुर में पोषण पखवाड़ा का समापन सेविकाओं को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर परियोजना क्षेत्र में गुरुवार को पोषण पखवाड़ा का समापन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। विगत दिनांक 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक चले इस विशेष अभियान के समापन अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पाकुड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन आकर्षक पोषण रंगोली और संतुलित पोषण थाली का प्रदर्शन किया गया, जिसकी उपस्थित अधिकारियों ने सराहना की। इस मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य कर रही सेविकाओं एवं सहायिकाओं को बंडी एवं शॉल देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को "मोबाइल फ्रेंडली" बनने पर जोर देते हुए कहा कि इससे विभागीय कार्यों को आसानी और तेजी से पूरा किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को पोषण से संबंधित शपथ भी दिलाई गई, ताकि समाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

बाबा साहब ने भारतीय समाज में समानता और न्याय की नींव रखी : डॉ समीर कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बाबा साहब भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्ष और प्रतिभा का प्रतीक है, उन्होंने भारतीय समाज में समानता और न्याय की नींव रखी। वो भारतीय संविधान के जनक, महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री थे। उन्होंने दलितों, महिलाओं और श्रमिकों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई उक्त बाते मुख्य अतिथि सह मुख्यवक्ता ऑल इंडिया एससी एसटी रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन जोनल सचिव डॉ समीर कुमार ने कही। स्टेशन चौक समीप स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा समक्ष बुधवार देर शाम को ऑल इंडिया एससी एसटी रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन शाखा साहिबगंज की ओर से भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सह मुख्यवक्ता ऑल इंडिया एससी एसटी रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन जोनल सचिव डॉ समीर कुमार, सेंट्रल एक्सक्यूटिव चीफ न्यू दिल्ली पीसी मुर्मू, विशिष्ट अतिथि रेलवे ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेड राहुल कुमार, कार्यपालक अभियंता रामाकांत पासवान, ऑल इंडिया एससी एसटी एसोसिएशन आसनसोल अध्यक्ष विनोद पासवान, पूर्व रेलवे जोनल वर्किंग अध्यक्ष जयंत विश्वास सहित अन्य ने बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके व दीप प्रज्वलित करके किया। वही अतिथियों का स्वागत बुके देकर व जय भीम का अंग वस्त्र देकर किया।

अमड़ापाड़ा में छात्राओं को सुरक्षा का पाठ विद्यालय की व्यवस्था का हुआ निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा एवं जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने छात्राओं को विभिन्न सुरक्षा पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।
कार्यक्रम में थाना प्रभारी ने छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, अनजान लोगों से दूरी बनाए रखने, आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने तथा हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के बारे में समझाया। उन्होंने छात्राओं को यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की असहज स्थिति या घटना होने पर बिना झिझक विद्यालय प्रबंधन या पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। इस मौके पर विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रवेश द्वार, छात्रावास, कक्षा-कक्ष, रसोईघर, शौचालय एवं चारदीवारी की स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, गार्ड की तैनाती, रात्रि सुरक्षा व्यवस्था तथा आग से बचाव के उपकरणों की उपलब्धता की भी जांच की गई।
थाना प्रभारी ने विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपनी सुरक्षा को लेकर अधिक सजग होती हैं। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने भी सुरक्षा संबंधी कई प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर दिया गया।

आरपीएफ ने तीन नाबालिग लड़कों का रेस्क्यू कर बाल संरक्षण मंथन को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा रेलवे स्टेशन पर ह्यूमन ट्रैफिकिंग तथा अन्य संबंधित अपराधों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा था। अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर फूट बेरीज के समीप 03 नाबालिग बालक संदिग्ध अवस्था में इधर-उधर घूमते हुए पाए गए। पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी आयु 14, 16 एवं 12 वर्ष बताई तथा उनमें से दो नाबालिग बालकों ने अपना निवास पाकुड़, एवं एक ने साहिबगंज बताया। आगे पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे अपने अभिभावकों से झगड़ा कर बिना बताए घर से भागकर बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंच गए थे तथा अपने गांव के अन्य लोगों के साथ मजदूरी करने के उद्देश्य से पटना जाने वाले थे। इनकी गतिविधियां एवं कथन संतोषजनक नहीं पाए जाने के कारण, पीसी/बरहरवा के आदेशानुसार एएसआई/जलेश्वर कुमार दुबे द्वारा उक्त तीनों नाबालिग बालकों को अभिरक्षा में लिया गया तथा आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। तत्पश्चात सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण कर उक्त तीनों नाबालिग बालकों को आराधना मंडल, बाल संरक्षण मंथन, साहिबगंज को आवश्यक कार्रवाई हेतु सुपुर्द कर दिया गया।

रविन्द्र भवन टाउन हॉल में निवर्तमान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक का विदाई सह स्वागत समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के रविन्द्र भवन टाउन हॉल, पाकुड़ में निवर्तमान उपायुक्त मनीष कुमार एवं निवर्तमान पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के सम्मान में विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक, न्यायिक एवं पुलिस पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने अपने संबोधन में निवर्तमान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ रही तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिला। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए जिले में शांति एवं भयमुक्त वातावरण बनाए रखने का प्रयास करेंगे।
फैमिली जज ने कहा कि अपने न्यायिक सेवा काल में यह पहला अवसर है जब वे किसी उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के विदाई समारोह में शामिल हुए हैं। उन्होंने दोनों पदाधिकारियों के व्यक्तित्व, कार्यशैली एवं संवेदनशील नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इनके साथ कार्य करना एक विशेष अनुभव रहा।
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि अल्प अवधि में ही उन्होंने जिले में प्रशासनिक, पुलिस एवं न्यायिक पदाधिकारियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय देखा, जो उनके लंबे सेवा अनुभव में दुर्लभ रहा है। उन्होंने दोनों पदाधिकारियों के कार्यों एवं मानवीय मूल्यों की सराहना की। निवर्तमान पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि पाकुड़ उनके लिए एक यादगार पड़ाव रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत एवं तकनीकी रूप से सक्षम टीम तैयार की गई है, जो भविष्य में भी बेहतर कार्य करेगी। निवर्तमान उपायुक्त ने कहा कि स्थानांतरण सेवा का हिस्सा है, किंतु पाकुड़ से जुड़ाव हमेशा विशेष रहेगा। उन्होंने जिले की उपलब्धियों का श्रेय पूरी टीम को देते हुए कहा कि आपसी समन्वय, सम्मान एवं समर्पण के कारण सभी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुए। उन्होंने एसडीपीओ, थाना प्रभारियों, पुलिस बल, चौकीदारों एवं होमगार्ड के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने विधि- व्यवस्था बनाए रखने में उत्कृष्ट भूमिका निभाई। उन्होंने, विधानसभा आम चुनाव, नगरपालिका आम निर्वाचन, रामनवमी, मुहर्रम, ईद, दुगार्पूजा, क्रिसमस एवं सोहराय महोत्सव जैसे संवेदनशील अवसरों पर टीम की तत्परता एवं जिम्मेदारी की सराहना की तथा आगामी समय में भी सतर्क एवं समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा निवर्तमान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को भावभीनी विदाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

एक नजर

बाइक से गिरकर दो भाई घायल

साहिबगंज : राजमहल सिरसी-मंडई मुख्य मार्ग पर गुरुवार को बाइक से गिरकर दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सिरसी के धर्मेंद्र कुमार (22) व छोटा भाई रतन देव कुमार (20) बाइक से किसी काम से राजमहल आ रहा था, तभी अचानक अनियंत्रित होकर बाइक से दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। परिजनों व आसपास के लोगों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कुमार सौरभ ने दोनों का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

आपसी विवाद में मारपीट, तीन लोग घायल

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के हरे राम टोला के सोमबाड़ी हाटपाड़ा में बुधवार व गुरुवार को हुई मारपीट की घटना में तीन लोग घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार संजय मंडल (41) व जानकी मंडल (27) का पड़ोसी आधीन मंडल (50) के साथ आपसी विवाद में कहासुनी होते-होते बात मारपीट तक जा पहुंची। इस घटना में तीन लोग घायल हो गये। तीनों घायलों को उसके परिजनों ने इलाज के लिए आनन-फानन में अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर कुमार सौरभ ने तीनों घायलों का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

बैंक ग्राहक सेवा केंद्र के नाम पर 30 हजार रुपये का लगाया चुना

साहिबगंज : जिले में साइबर अपराधियों ने एक व्यवसायी को बैंक ग्राहक सेवा केंद्र दिलाने और ऊंचे कमीशन का झांसा देकर 30000 रुपये की ठगी कर ली है। इस संबंध में पीड़ित अंकुर स्वदेशी ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने बताया कि 10 जनवरी को उनके पास कैशफ्री कंपनी से कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई की कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए आधार से निकासी, बिल भुगतान और प्रमुख बैंकों के खाते खोलने जैसी सुविधाएँ देने का वादा किया। बेहतर आय की उम्मीद में पीड़ित ने अपने केवाईसी दस्तावेज उनके साथ साझा कर दिए। ठगी का खेल 18 अप्रैल से तेज हुआ, जब राधिका नामक महिला ने कॉल कर तकनीकी दिक्कतें दूर होने की बात कही। सेवाओं को सक्रिय करने के नाम पर पीड़ित से एईपीएस से अलग-अलग तारीखों में कुल 30000 रुपये ट्रांसफर करवाए। जब पीड़ित ने अपना पैसा वापस बैंक खाते में लेने का प्रयास किया तो सीनियर मैडम का हवाला देकर कभी 20000 तो कभी 25000 रुपए का न्यूनतम बैलेंस होने की शर्त रखकर और पैसे निवेश कराए गए। 21 अप्रैल को अंतिम बार 25000 रुपये के ट्रांसफर का भरोसा दिया गया लेकिन राशि खाते में नहीं पहुँची। 22 अप्रैल की सुबह तक बात करने के बाद साइबर ठगों ने पीड़ित का फोन उठाना बंद कर दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। पीड़ित ने नगर थाना प्रभारी और ईस्टर्न झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स से मामले में त्वरित कार्रवाई की गुहार लगाई है। बताया गया कि पुलिस ने केस संख्या 64/26 दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

चुटूपालू घाटी में चदरा लदा ट्रक पलटा

रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र स्थित चुटूपालू घाटी में गुरुवार सुबह चदरा लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे फोरलेन सड़क पर करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के बाद ट्रक में लदे चदरा के रोल सड़क के दोनों ओर फैल गए, जिससे वाहनों की आवाजाही ठप हो गई।

संक्षिप्त खबरें

विद्या भारती विद्यालय में श्रद्धा से मनाई गई वीर कुंअर सिंह जयंती

साहिबगंज : शहर के विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज के वंदना कक्ष में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंअर सिंह की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। जयंती समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित एवं समस्त आचार्य बंधु-भगिनी ने बाबू वीर कुंअर सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया। वंदना कक्ष भारत माता और वीर शहीदों के जयकारों से गूंज उठा। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने कहा कि बाबू वीर कुंअर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे जिन्होंने 80 वर्ष की वयोवृद्ध अवस्था में भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ तलवार उठाई। 1857 की क्रांति में उन्होंने अद्भुत साहस और नेतृत्व का परिचय दिया। बिहार के जगदीशपुर रियासत से उन्होंने आजादी की अलख जगाई। घायल अवस्था में गंगा नदी पार करते समय उन्होंने अपनी जख्मी बांह खुद काट दी थी ताकि देशसेवा में बाधा न आए। अंतिम सांस तक संघर्ष करने वाले वीर कुंअर सिंह का जीवन त्याग, वीरता और देशभक्ति का अमर प्रतीक है। वहीं, आचार्य अमित कुमार ने छात्रों को बताया कि कुंवर सिंह का परिवार उज्जैन के परमार वंश के राजा विक्रमादित्य और राजा भोज का वंशज माना जाता है।

मां की हत्या करने वाला बेटा गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपनी ही मां की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को सूचना मिली कि ग्राम सोनाजोड़ी (सांसी टोला) निवासी चरण हेम्ब्रम ने अपनी मां धुनी हेम्ब्रम की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी चरण हेम्ब्रम उर्फ गांजा, पिता स्वर्गीय पांडू हेम्ब्रम, निवासी सोनाजोड़ी (सांसी टोला), थाना- नगर, जिला-पाकुड़ को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बड़ा पत्थर एवं अन्य खून लगे छोटे पत्थर भी बरामद कर लिए गए हैं। इस संबंध में मृतका के परिजन द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर नगर थाना कांड संख्या 85/2026, दिनांक 23.04.2026, धारा 103(1) इठर के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस कार्रवाई में नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, सुशील कुमार दे सहित नगर थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

राशन दुकान में लगी आग, अनाज खराब

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड के हाथीगढ़ गांव स्थित रत्नऋद्वारा संचालित कमलघाटी राशन दुकान में बुधवार की रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पानी आदि से आग पर काबू पाया, जिससे बड़ी घटना टल गई। हालांकि आग और पानी के कारण दुकान में रखा चावल-गेहूं खराब हो गया, जिससे राशन वितरण प्रभावित होने की आशंका है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं, शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर जल्द राहत देने की मांग की है।

राजमहल विधायक के आवास का सहायक अध्यापकों ने किया घेराव

साहिबगंज : झारखंड राज्य आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य कमेटी के आह्वान पर दो दिवसीय विधायक आवास घेराव कार्यक्रम के तहत 23 अप्रैल 2026 को राजमहल विधायक एमटी राजा के आवास पर अपनी माँगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। राजमहल विधायक आवास घेराव का नेतृत्व उधवा प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद सिराजुल हक, प्रखंड सचिव वासुदेव मंडल, तालझारी प्रखंड अध्यक्ष गमाल हेंब्रम, बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष सादेमान अली, साहिबगंज प्रखंड सचिव मोहम्मद मोहसिन अजमल, एवं अब्दुल रजाक ने सामूहिक रूप से किया। वहीं बोरियो विधायक आवास घेराव का नेतृत्व मंडरो प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद शहादत अंसारी, प्रखंड सचिव वीरेंद्र ठाकुर, बोरियो प्रखण्ड सचिव मनोज हरिजन ने सामूहिक रूप से किया था। धरना स्थल पर मौजूद दोनों विधानसभा के सहायक अध्यापकों ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय हम लोगों ने महागठबंधन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया था। जहां 2019 के चुनाव समय भी पारा शिक्षकों ने एक एकजूटता के साथ हेमंत सोरेन की सरकार बनाने में अपना योगदान दिया था, लेकिन सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पारा शिक्षकों के दुख एवं दर्द को भूल गए हैं, नौकरी की असुरक्षा एवं अल्प मानदेय भुगतान में हम सभी विगत 20 वर्षों से काम कर रहे हैं लेकिन सरकार अपने वादों को भूल चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय के 1 सितंबर 2025 के फैसले से नॉन टेट पारा शिक्षकों के बीच नौकरी असुरक्षा की भावना हो गई है, सरकार 2016 के बाद झारखंड में टेट परीक्षा आयोजित नहीं कर सकी है ऐसे में विभागीय आकलन परीक्षा को टेट के समतुल्य मान्यता देने से झारखंड के 45000 सहायक अध्यापकों का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा, सहायक अध्यापकों ने आगामी सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में भी शामिल करने की मांग सरकार से कर रहे हैं।

सांसद और विधायक ने संयुक्त रूप से रिकवा में सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और मांडू विधानसभा क्षेत्र के विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने संयुक्त रूप से हजारीबाग जिले के डाडी प्रखंड अंतर्गत मिश्राईन मोढ़ा पंचायत के ग्राम रिकवा में विकास कार्यों को नई गति दी। दोनों जनप्रतिनिधियों ने डीएमएफटी मद के माध्यम से ग्राम रिकवा में बाला महतो के घर से चानो पक्की सड़क तक भाया मोती महतो के घर तक बनने वाले पथ निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास नारियल फोड़कर और शिलापट्ट का अनावरण करके किया। डीएमएफटी की राशि करीब 3 करोड़ रुपए से करीब 3 किमी इस पथ का कल्याकल्प होगा। ग्राम रिकवा पहुँचने पर स्थानीय ग्रामीणों ने नेताद्वय का ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य और पारंपरिक स्वागत किया । कार्यक्रम के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने स्थानीय महिला समिति की दीदियों के साथ विशेष संवाद स्थापित किया और उनकी जमीनी समस्याओं को गहराई से समझा। दीदियों ने प्रमुख रूप से भवन की अनुपलब्धता और बैंक में पासबुक अपडेट कराने में होने वाली तकनीकी कठिनाइयों से उन्हें अवगत कराया। सांसद मनीष जायसवाल ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक अधिकारियों से वार्ता कर समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित कराया। साथ ही उन्होंने दीदियों की सुविधा के लिए जल्द ही भवन निर्माण कराने और तत्काल कालीन उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। ग्रामीणों की मांग पर सांसद मनीष जायसवाल और विधायक तिवारी महतो ने गांव में बन रहे मंदिर का निरीक्षण किया और उसके सौंदर्यीकरण हेतु टाइल्स उपलब्ध कराने का भरोसा दिया । शिलान्यास के पूर्व यहां उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने रिकवा ग्राम वासियों को नई सड़क की बधाई दी और घोषणा की कि क्षेत्र में एक और नई सड़क का निर्माण जल्द ही शुरू किया जाएगा, जिससे आवागमन काफी सुगम हो जाएगा। उन्होंने विकास को एक अनवरत प्रक्रिया बताते हुए ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन और समाज से जुड़ी समस्याओं के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर संपर्क में रहें। सांसद मनीष जायसवाल ने गांव की बंद पड़ी पेयजलापूर्ति योजना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना और उनका संरक्षण करना ग्रामीणों का भी दायित्व है। मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने कहा कि सांसद के सहयोग से क्षेत्र का विकास निरंतर जारी है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण विषय उठाते हुए सांसद मनीष जायसवाल से मांग की कि डाडी प्रखंड को हजारीबाग जिले से हटाकर रामगढ़ जिले के अधीन किया जाना चाहिए, ताकि स्थानीय निवासियों को जिला मुख्यालय तक पहुँचने में भौगोलिक सुगमता हो सके। डाडी भाग वन के जिप सदस्य सह बीजेपी जिला महामंत्री सर्वेश सिंह, डाड़ी भाग टू जिप सदस्य पिंकू देवी, हजारीबाग जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, सरिता देवी, चंचला देवी सहित अन्य बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

एक नजर

कुआं में डूबने से महिला की मौत

खूंटी : जरियागढ़ थाना क्षेत्र के सोटेया उरांव टोली में गुरुवार को कुआं में डूबने से बुधनी देवी (55) नामक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बुधनी देवी गांव के ही गंझू उरांव के घर के पीछे स्थित कुएं में पानी भरने गई थी। उसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे सीधे कुएं में गिर पड़ीं। गहराई अधिक होने के कारण वे पानी में डूब गईं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने की कोशिश करते हुए कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया। अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

भतीजे ने चाचा की चाकू मारकर की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह : जिले के धनवार थाना इलाके में पत्थर खदान को लेकर विवाद में बुधवार की देर रात चाचा-भतीजा में विवाद इतना बढ़ा कि भतीजा जियाउल अंसारी ने चाचा रफीक अंसारी (५५) की चाकू मारकर हत्या कर दी। देर रात हुए रफीक हत्याकांड के दूसरे दिन तड़के सुबह सूचना मिलने पर धनवार थाना पुलिस सक्रिय हुई। बताया गया कि धनवार थाना क्षेत्र के खेरीडीह गांव में पुलिस रफीक हत्याकांड के आरोपितों को दबोचने में जुट गई है। हालांकि हत्याकांड के आरोपित जियाउल अंसारी और अयूब अंसारी और उसका बेटा फरार बताया जा रहा है। रफीक की हत्या के बाद परिजनों में भी कोहराम मच गया। इस दौरान परिजनों ने जमकर हंगामा किया । जानकारी के अनुसार धनवार में पत्थर खदान को लेकर मृतक रफीक अंसारी का विवाद आरोपित जियाउल अंसारी और अयूब अंसारी के बेटे के साथ होने की चर्चा है । इसी विवाद को लेकर बुधवार की देर रात गांव के सुफेद अंसारी के बुलाने पर मृतक रफीक उसके घर पहुंचा, जहां खदान को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि जियाउल और अयूब ने चाकू से गोदकर रफीक की हत्या कर दी। हत्या के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। मामले में एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

आदिवासियों की जमीन छीनने का किया जा रहा प्रयास : कुजूर

लातेहार : अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजीत पाल कुजूर ने दिल्ली के इंदिरा भवन में आहुत संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा कराया गया था। जिसमे कुजूर ने अपनी बातों को रखा इसमें उन्होंने लातेहार जिला एवं झारखंड में आदिवासियों की जमीन समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कुजूर ने कहा कि आदिवासी समुदाय को अपनी भूमि बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। आदिवासी विस्थापन, अवैध हस्तांतरण और विकास परियोजनाओं के लिए अनिवार्य अधिग्रहण से जुड़ी जमीन की समस्याओं से जूझ रहे हैं। आदिवासियों को वन भूमि पर पांरपरिक अधिकारों को मान्यता नहीं दिया जा रहा है। वनाधिकार कानून के तहत व्यक्तिगत व सामुदायिक दावों के सैकड़ों की संख्या में लंबित हैं। उन्होने केंद्र की भाजपा समर्थित सरकार पर जाति व धर्म के नाम पर समाज को बांटने का आरोप लगाया गया। कहा कि इससे आदिवासी समाज प्रभावित हो रहा है। वहीं कुजूर ने बताया कि राहुल गांधी ने आदिवासियों के जमीन अधिकार के मुद्दे को गंभीरता से लिया है और कहा की आदिवासियों के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

नाबालिग का पेड़ से झुलता शव मिला परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : 15 वर्षीय एक किशोरी का शव बरवाडीह थाना क्षेत्र के बेंदी गांव में महुआ के पेड़ से लटका हुआ बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को पेड़ से उतार कर पोस्ट मार्टम के लिए सदर अस्पआताल लातेहार भेज दिया है। मृतका की पहचान बरवाडीह के गढ़वाटांड छठ घाट निवासी मोहन कुमार के 15 वर्षीय पुत्री काजल कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, मोहन कुमार यहां एक घर में किराए में रहते हैं। काजल बुधवार की दोपहर के बाद से ही अपने घर से गायब थी। उनकी बेटी का मकान मालिक के बेटे से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जब उनकी बेटी गायब हुई तो मोहन कुमार के परिजन मकान मालिक से उसकी बेटी के बारे में पूछने गये। मकान मालिक ने कहा कि उनकी बेटी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसके बाद मकान मालिक ने उनके साथ अभद्रता करते हए घर का सारा सामान बाहर फेंक दिया। परिजनों ने बताया कि गुरुवार की सुबह तकरीबन नौ बजे वे अपनी पुत्री की गुमशुदगी की रिर्पोट दर्ज कराने बरवाडीह थाना जा रहे थे, तो उनकी बेटी के मोबाइल से उनकी बात हुई। बेटी ने बताया कि वह बेंदी गांव में है और एक तस्वीर भी पोस्टन की थी। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी का शव एक पेड़ से लटका हुआ है और उसकी सांसे चल रही है। वे तुरंत वहां पहुंचे और लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी।

वीर कुंवर सिंह ने 80 वर्ष की आयु में भी दिखाया था अद्भुत पराक्रम : डॉ. कविता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव पर गुरुवार को शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। झारखंड क्षत्रिय संघ की बागबेड़ा और परसुडीह इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में जुगसलाई स्थित कुंवर सिंह चौक पर भव्य माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए झारखंड क्षत्रिय महिला संघ की अध्यक्ष डॉ. कविता परमार ने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने 80 वर्ष की आयु में भी अंग्रेजों के खिलाफ अद्भुत पराक्रम दिखाया और देशभक्ति की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि उनका जीवन संघर्ष और साहस आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वहीं, संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी ऐतिहासिक विरासत को संजोने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम का संचालन परसुडीह इकाई अध्यक्ष बी.डी. सिंह ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष शंभू नाथ सिंह, महासचिव डॉ प्रमोद सिंह, प्रशांत सिंह, सचिव एमके सिंह, विनोद सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

विभावि के यूसेट में 'ड्रोन और उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका' पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में गुरुवार को डॉ. दीपक सिंह, सीईओ इंडो क्लाइमेट लैब नई दिल्ली द्वारा 'ड्रोन और उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूसेट के निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्यार्थियों के साथ आधुनिक युग की परेशानियों के उभरते सुझाव, ड्रोन टेक्नोलॉजी, ड्रोन वर्किंग के ऊपर चर्चा हुई । जिसके बाद डॉ सिंह ने विद्यार्थियों को तीन समूहों में बांट कर एक एक कार्य करने को दिया, जिससे विद्यार्थी लोगों-की-समस्या को हल कर सके। डॉ सिंह ने ये भी कहा कि वो इन सभी विषयों पर यूसेट व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ काम करेंगे। इंटर्नशिप के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पीएम ऊषा के मेरु घटक के अंतर्गत यूसेट की एनएसएस इकाई के साथ मिलकर किया गया। इस कार्यक्रम में यूसेट एवं बीसीए तथा एमसीए के विद्यार्थी शामिल हुए । मंच का संचालन यूसेट के छात्र आदित्य राज ने किया। कार्यक्रम में एनएसएस पदाधिकारी डॉ खेमलाल महतो, प्रोफेसर इंचार्ज गीता सिन्हा, सुवीर कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इंचार्ज अर्चना रीना धान सहित कई शिक्षक सम्मिलित हुए ।

जयंती पर बाबू वीर कुंवर सिंह कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : चाईबासा के कांग्रेस भवन में गुरुवार को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती सह विजयोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता त्रिशानु राय ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानायकों में शामिल थे। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध शैली में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर अपनी अदम्य वीरता का परिचय दिया। 80 वर्ष की उम्र में भी उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को कड़ी चुनौती दी, जो उनके अद्भुत साहस और देशभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह का जीवन देशवासियों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर शिवकर बोयपाई, नारायण सिंह पुरती, अजय कुमार, गणेश किस्कु, चंद्रेश्वर मुर्मू, अमर सोय, कृष्णा चंद्र गोप, मो. अफरीदी, चंद्रशेखर प्रसाद, संजय साव, महाबीर प्रसाद, सुशील दास और विनोद खंडाईत सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

पदमा के इटखोरी मोड़ पर दो ट्रकों में भीषण भिड़ंत धू-धू कर जल उठीं गाड़ियां, बाल-बाल बचे चालक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते रह गया। पदमा प्रखंड स्थित इटखोरी मोड़ के पास सुबह लगभग 11 बजे दो मालवाहक वाहनों के बीच पासिंग के दौरान जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई और नेशनल हाईवे के बीचों-बीच आग का गोला बन गए। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक (नंबरः JH 02 BL 5663) बरेली से चलकर इटखोरी रोड होते हुए आ रहा था, जिसमें कोल्ड ड्रिंक लदी हुई थी। वहीं, दूसरी ओर से एक टेलर (नंबरः JH 02 BG 3465) नेशनल हाईवे हजारीबाग-बरही मार्ग से गुजर रहा था, जिस पर लोहे का कच्चा माल लोड था।

इटखोरी मोड़ के पास दोनों वाहनों के बीच 'पासिंग' को लेकर तालमेल नहीं बैठ पाया और उनमें जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के तुरंत बाद शॉर्ट सर्किट या घर्षण के कारण आग लग गई। देखते ही देखते लपटों ने दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

हादसे की खबर मिलते ही पदमा ओपी थाना, इचाक थाना और NHI के अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। नेशनल हाईवे पर सुरक्षा के मद्देनजर यातायात को नियंत्रित किया गया।

आग की भयावहता को देखते हुए तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि दोनों गाड़ियां जलकर खाक में तब्दील हो गया।लाखों का माल स्वाहा होने से पहले दमकल की गाड़ियां समय पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि कोल्ड ड्रिंक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस भीषण अग्निकांड में सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई। टक्कर के तुरंत बाद जैसे ही आग की लपटें उठीं, दोनों वाहनों के चालक और सह-चालक अपनी जान बचाकर कूदने में सफल रहे। हालांकि, स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हादसे के बाद कानूनी कार्रवाई के डर से दोनों गाड़ियों के चालक मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस ने फिलहाल दोनों वाहनों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की छानबीन की जा रही है कि दुर्घटना के लिए कौन सा वाहन जिम्मेदार था। इस हादसे के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे प्रशासन ने आग बुझाने के बाद सुचारू कराया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ने मोपेड सवार दंपति को मारी टक्कर, पति की मौत

पलामू : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के लोहरसिमी गांव में गुरुवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मोपेड सवार दंपती को टक्कर मार दी, जिससे पति की मौत हो गयी, जबकि पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गयी। महिला को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मुनीफ अंसारी (62) एवं उनकी पत्नी मतिमा बीबी (55) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मुनीफ अंसारी अपनी पत्नी मतिमा बीबी का इलाज कराने के लिए मोपेड पर सवार होकर चैनपुर के बुढीवीर गांव आ रहे थे। रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल दोनों घायलों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने मुनीफ अंसारी को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि यह ट्रैक्टर ईट भट्ठे का था। ट्रैक्टर निरंजन कुमार रवि का बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रैक्टर को जब्त कर फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुट गई है।

विधायक जगत माझी ने साइंस लैब की रखी नींव

पश्चिमी सिंहभूम : सोनुवा प्रखंड स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में गुरुवार को विधायक जगत माझी ने साइंस लैब का शिलान्यास किया और कहा कि बालिकाओं की शिक्षा से ही समाज एवं राष्ट्र सशक्त होता है। विधायक ने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि भविष्य में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक सुविधा की जरूरत होने पर वे हर संभव सहयोग करेंगे। इस साइंस लैब के निर्माण से छात्राओं को प्रायोगिक शिक्षा में काफी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शिक्षिकाओं ने विधायक को ज्ञापन सौंपा। इसमें शौचालय की व्यवस्था, सुरक्षा के लिए चहारदीवारी निर्माण और शुद्ध पेयजल की समस्या दूर करने की मांग की गई। विधायक ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका रंजीता महतो, सुसारी होरो, सुशीला बारला, तामाल कुमार दास, नेहा रानी प्रधान, सारिका पुरती, सोनाली महतो और मुकेश प्रधान सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं और कर्मचारी उपस्थित थे। साथ ही झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सागर महतो और मुखिया सोहन माझी भी मौजूद रहे। शिलान्यास के बाद विधायक ने एस्पायर संस्था की ओर से संचालित आरबीसी गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया। वहां छात्राओं से मुलाकात कर उनके खान-पान और पढ़ाई की जानकारी ली और उन्हें प्रोत्साहित किया। इसके अलावा विधायक ने प्रखंड कार्यालय में साप्ताहिक जनता दरबार लगाया, जहां ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क और बिजली से जुड़ी समस्याएं रखीं। विधायक ने समस्याओं के समाधान के लिए बीडीओ सोमनाथ उरांव और सीओ अनुज टेटे को आवश्यक निर्देश दिया।

तैलिक साहू महासभा ने मनाई दानवीर भामाशाह की जयंती

पूर्वी सिंहभूम : साकची स्थित एमजीएम चौक पर गुरूवार को अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के तत्वावधान में राष्ट्रभक्त और महान दानवीर भामाशाह जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। उपस्थित जनों ने भामाशाह जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके अद्वितीय योगदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भामाशाह जी के त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डाला। बताया गया कि हल्दीघाटी युद्ध के समय उन्होंने अपनी समस्त संपत्ति राष्ट्र रक्षा के लिए समर्पित कर इतिहास में अमिट उदाहरण स्थापित किया था। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए उपस्थित लोगों ने समाज और राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मौके पर लोगों में लड्डू वितरण किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में संचालन समिति के सदस्य विनोद गुप्ता, द्वारका प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद, महामंत्री मनोज गुप्ता, शशिकांत महाराज, बागबेड़ा क्षेत्रीय अध्यक्ष संतोष गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्तियों और समाज के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिससे आयोजन और अधिक सशक्त और प्रेरणादायक बना।
इस अवसर पर आयोजकों ने सभी सहयोगकताओं और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

एसएनटीआई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय इस्पात सम्मेलन में नई तकनीकों पर मंथन

पूर्वी सिंहभूम : शावक नानावटी टेक्निकल इंस्टीट्यूट (एसएनटीआई) जमशेदपुर में गुरुवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन हुआ, जिसमें इलेक्ट्रिक आर्क भट्ठी और इंडक्शन भट्ठी आधारित सतत एवं गुणवत्तापूर्ण इस्पात उत्पादन की नई तकनीकों पर विशेष मंथन किया गया। टाटा स्टील ने भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर, सीएसआईआरझराष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) और ऑल इंडिया इंडक्शन फर्नेस एसोसिएशन (एआईआईएफए) के सहयोग से यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए इस्पात उद्योग के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण संकेत दिए। मुख्य गुणवत्ता आश्वासन, लॉन्ग प्रोडक्ट्स और आईसीएसक्यूएस-2026 के चेयरमैन डॉ. टी भास्कर ने कहा कि इलेक्ट्रिक आर्क और इंडक्शन भट्ठियों के माध्यम से सतत और गुणवत्तापूर्ण इस्पात उत्पादन आज की आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच उद्योग को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और जिम्मेदार बनना होगा।

संक्षिप्त डायरी

जिले में खुलेगा एक और केंद्रीय विद्यालय, शुरू हुई प्रक्रिया

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के एक प्रखंड में केंद्रीय विद्यालय खोलने की तैयारी शुरू दी गयी है. इसको लेकर 5 एकड़ जमीन चिन्हित कर ली गयी है. गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को अब अपने जिले में ही बेहतर शिक्षा का मौका मिलने वाला है.
मुजफ्फरपुर में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है. जिले के मुसहरी पंचायत में अब केंद्रीय विद्यालय खोलने की तैयारी शुरू हो गई है. डीएम सुब्रत कुमार सेन की पहल पर करीब 5 एकड़ जमीन चिन्हित कर प्रस्ताव आगे भेज दिया गया है. इस फैसले को जिले के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है. मौके पर खुद पहुंचे डीएम डीएम खुद अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जमीन का जायजा लिया. निरीक्षण में पाया गया कि जगह न सिर्फ पर्याप्त है, बल्कि आने-जाने के लिहाज से भी काफी सही लोकेशन पर है. यह जगह जिला मुख्यालय के करीब और मुख्य सड़क से जुड़ी हुई है, जिससे बच्चों और अभिभावकों को काफी सहूलियत मिलेगी. डीएम ने दिये प्रक्रिया तेज करने के निर्देश निरीक्षण के बाद डीएम ने प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए हैं. अब पशुपालन विभाग से एनओसी लिया जाएगा और उसके बाद जमीन शिक्षा विभाग को सौंप दी जाएगी. इसके बाद केंद्रीय विद्यालय के निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी. खास बात ये है कि यह इलाका नगर निगम क्षेत्र में शामिल होने वाला है, जिससे यहां शहरी सुविधाएं भी मिलेंगी. 55 करोड़ की लागत से बन रहे आवासीय स्कूल इस स्कूल में कक्षा 1 से 12वीं तक पढ़ाई होगी, जिससे इलाके के बच्चों को अपने ही शहर में अच्छी और क्वालिटी एजुकेशन मिल सकेगी. खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को इससे बड़ा फायदा होगा. इसके अलावा जिले में और भी कई शैक्षणिक प्रोजेक्ट तेजी से चल रहे हैं. करीब 55 करोड़ की लागत से 720 सीटों वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय स्कूल अलग-अलग प्रखंडों में बनाए जा रहे हैं. वहीं, लड़कियों के लिए भी अलग से हॉस्टल और स्कूल तैयार किए जा रहे हैं, जिससे शिक्षा का दायरा और मजबूत होगा.

सहरसा एयरपोर्ट के लिए टेंडर जारी, अपग्रेडेशन और नए बिल्डिंग के निर्माण का रास्ता साफ

पटना (एजेंसी) बिहार में रोड और रेल के साथ-साथ हवाई कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया जा रहा है. ऐसे में अब सहरसा एयरपोर्ट के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. निर्माण के लिए 35.14 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है. बिहार के सहरसा जिले में जल्द ही लोगों के लिए हवाई सफर आसान होने वाला है. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सहरसा में मौजूदा एयरपोर्ट के अपग्रेडेशन और टर्मिनल भवन के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है. जिससे भविष्य में लोगों की हवाई सफर संभव हो सकेगी. इसके लिए 35.14 करोड़ की स्वीकृति दी गई है. 15 एकड़ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी जानकारी के मुताबिक, इसमें एक प्री-फैब्रिकेटेड टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टावर और उससे जुड़ी बिल्डिंग्स का निर्माण किया जाएगा. इस काम को पूरा करने के लिए 450 दिन का समय निर्धारित किया गया है. इसके लिए 15 एकड़ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है. जमीन अधिग्रहण के लिए राज्य सरकार ने राशि पहले में ही जिले को उपलब्ध करा दी है. जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है. हवाई उड़ान के लिए 1000 मीटर30 मीटर का रनवे निर्माण किया जाएगा. मिली जानकारी के अनुसार, टेंडर जमा करने का अंतिम डेट 8 जून है. 16 जून को फिर टेंडर खोला जाएगा. उड़ान योजना के तहत सहरसा एयरपोर्ट को कनेक्ट किया जाएगा. यह एयरपोर्ट कोड-2बी टाइप के एयरक्राफ्ट के लिए बनाया जाएगा. सहरसा एयरपोर्ट से 15 से 20 सीट वाला छोटा विमान ऑपरेट होगा.

पटना में कंबल में लिपटी मिली 10 साल की बच्ची की डेड बॉडी

पटना (एजेंसी) पटना में गुरुवार की सुबह 10 साल की बच्ची की डेड बॉडी मिली. पुलिस के मुताबिक, बच्ची के शरीर और सिर पर चोट के निशान हैं. इस घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है. फिलहाल, पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है. पटना के बाइपास थाना इलाके में कंबल में लिपटी हुई एक बच्ची की डेड बॉडी मिली. 10 साल की बच्ची रोशनी कुमारी बाहरी बेगमपुर मुहल्ला की रहने वाली थी. उसकी डेड बॉडी घर से महज 500 मीटर की दूरी पर ही एक गली में मिली. डेड बॉडी मिलने की सूचना पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई. बच्ची के परिजन ने क्या बताया? बच्ची के चाचा पहाड़ी यादव ने बताया कि बुधवार की सुबह छह बजे बच्ची स्कूल जाने के लिए स्कूल ड्रेस पहनकर तैयार थी. लेकिन इससे पहले वह पड़ोस के घर में दूध देने के लिए गई. इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी. काफी खोजबीन के बाद भी बच्ची का कुछ पता नहीं चल पाया. इसके बाद बाइपास थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई. जांच-पड़ताल के बीच मिली डेड बॉडी पुलिस के साथ-साथ परिवार के लोग भी बच्ची की खोजबीन में जुटे थे. इसी दौरान रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला गया. ऐसे में आज (गुरुवार) सुबह बच्ची की लाश मिली. सूचना मिलते ही मौके पर डीएसपी 2 डॉ. गौरव कुमार और थानाध्यक्ष रणजीत कुमार पहुंचे. इसके बाद वे मामले की छानबीन में जुट गए. घटना के बारे में पुलिस ने क्या बताया? पुलिस ने बताया कि बच्ची के शरीर और सिर पर चोट के निशान हैं. मौके पर एफएसएल और डॉग स्क्वॉयड की टीम को बुलाया गया है, जो जांच पड़ताल कर रही है. लाश का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए एनएमसीएच भेजा गया. डीएसपी ने बताया कि घटना से जुड़े हर एक पहलु पर जांच-पड़ताल की जा रही है. जल्द ही मामले का खुलासा होगा.

बिहार में एक करोड़ की चोरी, बंद घर से कीमती गहने और नगद ले उड़े चोर

पटना (एजेंसी) बिहार के औरंगाबाद में चोरों ने एक करोड़ की चोरी की. घर में किसी के नहीं होने का फायदा चोरों ने उठाया और कीमती गहने और नगद ले उड़े. पुलिस फिलहाल मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है. सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं. औरंगाबाद जिले के कुटुंबा प्रखंड मुख्यालय अंबा में एक घर से कीमती गहने और रुपये चोर ले भागे. प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख गीता सिंह के घर अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए करीब एक करोड़ रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया. चोरों ने उठाया मौके का फायदा मिली जानकारी के अनुसार, गीता सिंह के पति और पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह 13 अप्रैल को अपने बेटे से मिलने पटना गए हुए थे. घर में किसी के नहीं रहने का फायदा उठाकर चोरों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया. हैरानी की बात यह है कि घनी आबादी वाले इलाके में स्थित घर में चोरी हुई, लेकिन आसपास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी . कीमती गहने और नगद ले उड़े चोर बताया जा रहा है कि बीते बुधवार की रात जब दंपती पटना से वापस लौटे, तो उन्होंने घर का ताला टूटा हुआ पाया. अंदर जाने पर देखा कि सामान बिखरा पड़ा है

बिहार के 11 शहरों में जमीन की खरीद-बिक्री पर क्यों लगी रोक ये है, सम्राट सरकार का मास्टर प्लान

पटना बनेगा पूर्वी भारत का 'टेक हब': सरकार ने 344 करोड़ की रिसर्च परियोजनाओं को दी मंजूरी

पटना (एजेंसी) बिहार के 11 शहरों में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है. नई सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक बुधवार को हुई, जिसके बाद रोक लगा दी गई. जानकारी के मुताबिक, सम्राट सरकार ने 11 शहरों के लिए मास्टर प्लान तैयार किया है और इसके लागू होने तक यह रोक लगी रहेगी. सम्राट सरकार ने सेटेलाइट टाउनशिप को लेकर मास्टर प्लान तैयार किया है. ऐसे में शहरों का विकास किया जाएगा. इससे पहले पटना सहित 11 शहरों में भवन निर्माण और जमीन की खरीद-बिक्री पर तत्काल रोक लगा दिया गया है. इसके साथ ही टाउनशिप के लिए जगह भी चिह्नित कर लिया गया है. प्रधान सचिव ने क्या बताया? जानकारी के मुताबिक, यह रोक पूरे शहर पर नहीं, बल्कि उन्हीं सीमित इलाकों में लागू रहेगी जहां टाउनशिप विकसित की जानी है. नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने बताया कि यह निर्णय बिहार शहरी आयोजना तथा विकास अधिनियम के तहत लिया गया है. इसका उद्देश्य टाउनशिप वाले इलाकों में अव्यवस्थित निर्माण को रोकते हुए मास्टर प्लान के अनुसार ही विकास सुनिश्चित करना है. कहां और कब तक रहेगा प्रतिबंध? सरकार ने पटना, सोनपुर, गयाजी, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया और मुंगेर में प्रस्तावित टाउनशिप के कोर और विशेष इलाकों के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का निर्णय लिया है. पटना में अलग से जोनल प्लान भी बनेगा. इन सात शहरों के टाउनशिप एरिया में 31 मार्च 2027 तक निर्माण और जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक रहेगी. जबकि मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर और सीतामढ़ी के कोर एरिया में यह प्रतिबंध 30 जून 2027 तक लागू रहेगा. इस फैसले से क्या बदलेगा? प्लान के तहत सड़क ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम बनेगा रेजिडेंशियल और कमर्शियल जमीन का स्पष्ट बंटवारा होगा ट्रैफिक मैनेजमेंट और चौड़ी सड़कों का प्रावधान पार्क, ओपन स्पेस, कम्युनिटी एरिया का विकास रिसर्च पार्क के लिए रुपये मंजूर कैबिनेट की बैठक में रिसर्च पार्क के लिए 305 करोड़ रुपये और इनक्यूबेशन सेंटर (फेज-2) के लिए 39.01 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है. पटना में पूर्वी भारत का टेक हब बनाने की योजना है. रिसर्च पार्क में जिन विषयों पर फोकस है उसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल और वायरलेस टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर-टेक्नोलॉजी और इनोवेशन, एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, अर्बनाइजेशन, बिल्डिंग एंड इनवायरमेंट, एग्रीकल्चर, क्लीन वाटर एंड रिसाइक्लिंग जबकि आईआईटी रिसर्च पार्क में एक-दो सालों में 100 से अधिक रिसर्च और विकास आधारित कंपनियों की स्थापना होगी

प्लास्टिक थैले में सामान बेचने वालों की खैर नहीं, 3 दिनों का अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी) बगहा में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर परिषद का बड़ा एक्शन देखने को मिला. कई दुकानों पर छापेमारी की गयी और प्लास्टिक जब्त किया गया. बिना लाइसेंस दुकानदारों को 3 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है. साथ ही नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गयी है पर्यावरण संरक्षण और शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में बगहा नगर परिषद प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है. जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश पर सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ शहर में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया. इस कार्रवाई से स्थानीय दुकानदारों और व्यवसायियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी रही. इन बाजारों में तक जांच की रडार कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम ने बगहा-दो के रेलवे स्टेशन चौक, मीना बाजार, सिंह मार्केट, रेलवे स्टेशन ढाला चौक, तिवारी मार्केट और भार्गवी कॉम्प्लेक्स जैसे व्यस्त इलाकों में औचक निरीक्षण किया. जांच के दौरान टीम ने न केवल प्रतिबंधित प्लास्टिक की तलाश की, बल्कि दुकानों के ट्रेड लाइसेंसों की भी गहनता से पड़ताल की. जब्ती के साथ दी गई सख्त चेतावनी अभियान के दौरान कई दुकानों और प्रतिष्ठानों में धड़ल्ले से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया गया. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्लास्टिक बैग को मौके पर ही जब्त कर लिया. कार्यपालक पदाधिकारी ने स्पष्ट लहजे में कहा कि नियमों की अनदेखी अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी. ट्रेड लाइसेंस के लिए 3 दिनों का अल्टीमेटम जांच में यह भी सामने आया कि कई दुकानदारों के पास वैध ट्रेड लाइसेंस नहीं है. ऐसे दुकानदारों को तीन दिनों के भीतर लाइसेंस बनवाने का सख्त निर्देश दिया गया है. अधिकारियों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के बाद बिना लाइसेंस के संचालित होने वाली दुकानों पर तालाबंदी जैसी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है. पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की अपील स्वच्छता पदाधिकारी अबू बाकी और नगर प्रबंधक चंदन कुमार ने सब्जी मंडियों और दुकानों में जाकर लोगों को जागरूक भी किया. अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा, प्लास्टिक न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है.

बाहुबली नेता सूरजभान सिंह जेल से रिहा, 30 साल पुराने केस में आया फैसला

पटना (एजेंसी) पूर्व सांसद सूरजभान सिंह को 30 साल पहले हुई हत्या के मामले में रिहा कर दिया गया है. सूरजभान सिंह के साथ अजीत सिंह को भी रिहा करने का फैसला सुनाया गया है. जानकारी के मुताबिक, सबूतों के अभाव में यह फैसला लिया गया. बेगूसराय के पूर्व सांसद सूरजभान सिंह को जेल से रिहा कर दिया गया है. एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ब्रजेश कुमार सिंह की अदालत ने फैसला सुनाया. सूरजभान सिंह 30 साल पुराने एक हत्या के मामले में जेल में बंद थे, जिसे लेकर अब कोर्ट का फैसला आ गया है और उन्हें रिहा कर दिया गया है. सूरजभान सिंह के वकील ने कोर्ट में क्या कहा? सीनियर अधिवक्ता मोहम्मद मंसूर आलम ने सूरजभान सिंह का पक्ष कोर्ट में रखा. आरोप था कि 29 जुलाई, 1996 को करीब 11:30 बजे दिन में बरौनी थाना के बीहट गांव के रहने वाले टुनटुन सिंह के बेटे रंजीत की सीताराम इंजीनियर के डेरा पर गोली मार कर हत्या कर दी गई है. हत्या में दिलीप सिंह, विपिन सिंह, अजीत सिंह समेत अन्य लोगों के नाम भी शामिल थे. मामले में किसने दर्ज कराई थी प्राथमिकी मिली जानकारी के अनुसार, घटना की प्राथमिकी मृतक के पिता की ओर से बरौनी थाना में दर्ज कराई गई थी. इस दौरान प्राथमिकी में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह का नाम नहीं था. लेकिन जब मामले में जांच हुई तो उस दौरान केस डायरी में नाम शामिल किया गया था. इस वजह से पूर्व सांसद को किया गया रिहा जानकारी के मुताबिक, मामले में अभियोजन की ओर से 7 गवाह पानो देवी, रामेश्वर भगत, लुसिया देवी, नवल किशोर सिंह, फुलेना सिंह, गणेश सिंह और डॉ. प्रेमचंद कुमार की गवाही कराई गई. लेकिन इनमें से किसी ने भी घटना का समर्थन नहीं किया. ऐसे में सबूतों के अभाव में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह को जेल से रिहा करने का फैसला कोर्ट की ओर से लिया गया.

6 मई को उठने वाली थी बिटिया की डोली, इससे पहले लाखों के गहने ले उड़े चोर, 3 घरों को खंगाला

पटना (एजेंसी) गोपालगंज के सबेया में चोरों ने बुधवार की रात तीन घरों को खंगाला. चोरों ने लगभग 17 लाख रुपए की चोरी की. इनमें से एक के घर में बेटी की शादी होने वाली थी, लेकिन इससे पहले ही चोरों ने कीमती गहने चोरी कर लिए.
भोरे थाना इलाके के सबेया गांव में बीती रात बेखौफ अपराधियों ने पुलिसिया गश्ती को ठेंगा दिखाते हुए भारी तबाही मचाई. चोरों ने एक ही रात में चुन-चुन कर तीन घरों को अपना निशाना बनाया और लगभग 17 लाख रुपये की संपत्ति समेट कर चंपत हो गए. इस दुस्साहसिक वारदात ने न सिर्फ पुलिस के सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है, बल्कि पूरे इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया है. शादी की तैयारियों पर फिरा पानी सबसे दुखद करने वाली घटना खटीक के घर हुई. घर में शादी की शहनाइयां गूंजने वाली थीं. 3 मई को तिलक और 6 मई को बेटी की शादी तय है. पिता ने जीवन भर की पूंजी लगाकर जो जेवरात बिटिया की विदाई के लिए बनवाए थे, चोरों ने उन पर हाथ साफ कर दिया. अब शादी की खुशियां मातम और सिसकियों में बदल गई है. पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है. दुस्साहसः घर के पास ही किया हमालह्व का बंटवारा चोरों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने वारदात के बाद भागने की जल्दी नहीं दिखाई. चोरों ने चोरी किए गए बक्सों को घर के पास ही सुनसान जगह पर ले जाकर तोड़ा और वहीं बैठकर गहनों का बंटवारा किया. मौके से टूटे हुए बक्से और बिखरे हुए सामान बरामद हुए हैं, जो चोरों की इत्मीनान से की गई करतूत की गवाही दे रहे हैं. इसके अलावा बलराम खटीक के घर से गहने और कीमती कपड़े चोरी कर ली. गांव के ही नंदकिशोर गोंड के घर से बक्सा उठाकर चोर ले गए, जिसमें लगभग तीन लाख के गहनों से भरा पोटली था. जांच में जुटी पुलिस घटना की सूचना के बाद जगतौली ओपी प्रभारी आलोक कुमार ने दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन की. पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं. ओपी प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की जा रही है. जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा

बिहार के 23 जिलों में IMD का रेड अलर्ट, हीट वेव जैसी रहेगी स्थिति

पटना (एजेंसी) बिहार में तपती गर्मी का प्रकोप लोगों को झेलना पड़ रहा है. इस बीच मौसम विभाग ने 23 जिलों में लू को लेकर रेड अलर्ट जारी कर दिया है. इतना ही नहीं, राज्य में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार तक चला गया है. अप्रैल में ही बिहार में लोगों को मई-जून वाली गर्मी झेलनी पड़ रही है. सुबह-सुबह ही तेज धूप खिल जा रही और 11-12 बजते-बजते लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जा रहा है. इस बीच मौसम विभाग ने 23 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग की मानें तो, राज्य के 23 जिलों में अगले दो से तीन दिनों तक लू का प्रकोप बना रहेगा. उत्तर-पश्चिमी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-मध्य बिहार के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक है. तीन-चार दिनों तक राहत नहीं मौसम विज्ञान केंद्र ने साफ किया है कि अगले तीन से चार दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा. यानी कि फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं और गर्मी का यह दौर जारी रहेगा. लेकिन, 25 और 26 अप्रैल को राज्य में बारिश की संभावना जताई गई है. इन जिलों के लिए अलर्ट जारी मौसम विभाग ने 23 और 24 अप्रैल को सारण, सीवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, कैमूर, रोहतास, भोजपुर, बक्सर, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, पटना, बेगूसराय, समस्तीपुर, नालंदा, नवादा, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई, बांका, भागलपुर और मुंगेर में हीट वेव की स्थिति बने रहने की संभावना जताई है. इन जिलों में लोगों को दोपहर के वक्त ज्यादा सावधान रहने की अपील की है. बक्सर में तापमान 44 डिग्री के पार पिछले 24 घंटे में बक्सर जिले में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया. बक्सर में दिन का तापमान 44.4 डिग्री दर्ज किया गया

पटना-आरा-सासाराम NH का निर्माण मई से होगा शुरू, समीक्षा के बाद मिली मंजूरी

पटना (एजेंसी) बिहार के कई जिलों में सड़कों का निर्माण किया जा रहा है. इस बीच पटना-आरा-सासाराम एनएच का निर्माण मई महीने से शुरू होगा. एनएचएआई और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से मंजूर सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया. बिहार में पटना-आरा-सासाराम एनएच का निर्माण 15 मई से शुरू होगा. इसके तहत पहले फेज में सुअरा से गड़हनी तक काम होगा. अक्टूबर तक परियोजना के दूसरे फेज में गड़हनी से सदीसोपुर का काम शुरू होगा. इसके साथ ही मोकामा-मुंगेर ग्रीनफील्ड फोरलेन सड़क निर्माण और पटना रिंग रोड (कन्हौली-शेरपुर) का भी कार्य आवंटन हो गया है. यह जानकारी एनएचएआई और केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय की सड़क परियोजनाओं समीक्षा बैठक में दी गई. पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज पाल ने मोकामा-मुंगेर ग्रीनफील्ड और पटना रिंग रोड का भू-अर्जन पूरा कर काम शुरू करने का संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है. 8134 करोड़ की लागत वाली परियोजना की समीक्षा सचिव पंकज कुमार पाल ने बैठक में राज्य में करीब 8134 करोड़ रुपए लागत वाली करीब 218 किमी लंबाई की एनएच की 6 परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की. इन परियाजनाओं का भू-अर्जन और वैधानिक स्वीकृतियों के कारण काम शुरू नहीं हो सका है. साथ ही 360 किमी लंबाई की 11 हजार 222 करोड़ की लागत से 12 परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई, जिनकी स्वीकृति के बाद कार्य आवंटित नहीं हो पाया है. इसके साथ ही सचिव ने देरी से चल रही एनएच की तीन परियोजनाओं सहित एनएच की अन्य समस्याओं की भी समीक्षा की. सचिव ने दिया आदेश सचिव ने पथ निर्माण विभाग और एनएच के सभी एग्जीक्यूटिव एंजीनियर्स, बीएसआरडीसीएल के सीजीएम, बीआरपीएनएनएल के एमडी और परियोजना निदेशक को निर्देश दिया है. इसमें कहा गया है कि सामान्य मिट्टी के खनन और उपयोग के संबंध में जारी स्टैंडर्ड संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करें. विभाग की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निर्माण कार्य को तेजी मिलने की संभावना है. पटना में करीब छह किमी लंबाई तक समग्र उद्यान, दीघा से सभ्यता द्वार और भद्र घाट से दीदारगंज तक के कार्यों में डी-सिल्टेड सामग्री का उपयोग किया जाएगा.

सीतामढ़ी में 700 एकड़ क्षेत्र की जमीन की खरीद-बिक्री और मकान निर्माण पर रोक; कहां होगा प्रभावी

पटना (एजेंसी) बिहार कैबिनेट के एक फैसले से लाखों लोगों का काम जैसे ठहर जाएगा। सीतामढ़ी में टाउनशिप के लिए राज्य सरकार ने करीब 700 एकड़ के दायरे की जमीन खरीद-बिक्री तो रोकी लगाई है। यहां निर्माण भी रोक दिया है। बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग ने सीतामढ़ी में सुनियोजित शहरीकरण को बढ़ावा देने के लिए 'सीतापुरम' नामक नई सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इस टाउनशिप के चिह्नित 'विशेष क्षेत्र' और कोर क्षेत्र में मास्टर प्लान अधिसूचित होने तक जमीन के क्रय-विक्रय, हस्तांतरण और नए निर्माण कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। इस मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने और अधिसूचित करने की समय सीमा 30 जून 2027 निर्धारित की गई है; तब तक चिह्नित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का भूमि विकास कार्य पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सीतापुरम का दायराः जहां जमीन खरीद-बिक्री और निर्माण पर रोक प्रस्तावित 'सीतापुरम' टाउनशिप का मुख्य केंद्र विश्व प्रसिद्ध पुनौरा धाम होगा। सरकार ने इसके चारों ओर लगभग 700 एकड़ भूमि को 'कोर क्षेत्र' के रूप में चिह्नित किया है। मास्टर प्लान 2041 के तहत इस आयोजना क्षेत्र में नगर निगम के अतिरिक्त डुमरा ब्लॉक के 16 राजस्व गांवों को शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों में अवैध निर्माण और अनियंत्रित बसावट को रोकने के लिए ताकि बाद में बुनियादी ढांचे के निर्माण में कोई बाधा न आए। वर्तमान में अनियंत्रित निर्माण के कारण सीवरेज और सड़कों के चौड़ीकरण में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए यह मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। सीतापुरम टाउनशिप को प्रस्तावित रिंग रोड और एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा। यहाँ विश्वस्तरीय होटल, बड़े मॉल, आधुनिक जल निकासी प्रणाली, पार्कों का जाल और चौड़ी सड़कों जैसी उच्च गुणवत्ता वाली नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे न केवल शहर का स्वरूप बदलेगा, बल्कि मुख्य नगर पर जनसंख्या का बढ़ता दबाव भी कम होगा। आर्थिक विकास और निवेश के नए अवसर सीतापुरम टाउनशिप के निर्माण से जिले के आर्थिक ढांचे में व्यापक बदलाव की उम्मीद है। इस परियोजना के माध्यम से नए आर्थिक केंद्र विकसित होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह

प्रोजेक्ट आवासीय जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ निजी और संस्थागत निवेश के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करेगा। प्रशासन ने आम नागरिकों को सलाह दी है कि वे सीतापुरम के निर्धारित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के निवेश या निर्माण से पहले विभाग की आधिकारिक अधिसूचना की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में किसी भी कानूनी परेशानी या वित्तीय नुकसान से बचा जा सके।

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्ककी कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्क2, क्क6 और क्का2 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और टाइटंस का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटन्स से होगा। आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपने कदम बढ़ाना रहेगा। आरसीबी ने अब तक 6 मे से 4 मैच जीते हैं जिससे उसके 8 अंक हैं और टीम अंकतालिका में तीसरे नंबर पर है। इस सत्र में उसने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को आसानी से हराया, राजस्थान रॉयल्स से उसे हार मिली। इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स से वह जीती पर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार गयी। आरसीबी के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी हैं। टीम की कप्तानी रजत पाटीदार कर रहे हैं। गेंदबाजी भी टीम की अच्छी है। उसके पास भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज है। वहीं दूसरी ओर गुजरात का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उसने 6 में से 3 मैच जीते हैं, इससे उसके 6 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। उसे शुरुआत में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा जबकि दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स व कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे जीत मिली पर मुंबई इंडियंस से हार मिली। टीम के पास कप्तानी शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बल्लेबाज है। वहीं टीम के पास कई अच्छे गेंदबाज हैं जिनमें कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से दोनो ने ही 3-3 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबीः रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी और सुयश शर्मा।

गुजरात टाइटन्सः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे।

वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

वोल्वार्ट की शतकीय पारी से दक्षिण अफीका ने भारत को नौ विकेट से रौंद श्रृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। कप्तान लौरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ उनकी 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के बूते दक्षिण अफीका ने पांच मैचों की महिला टी20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले को 21 गेंद शेष रहते नौ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया।

दक्षिण अफीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

इस श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। दक्षिण अफीका की कप्तान को चौथे ओवर में 31 रन के निजी स्कोर पर स्मृति मंधाना ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया। वोल्वार्ट को 85 रन के स्कोर पर दूसरा जीवनदान हरमनप्रीत ने कैच छोड़कर दिया। उन्होंने इन जीवनदानों का फायदा उठाते हुए अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के जड़े और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह वोल्वार्ट का तीसरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतकों के साथ भारत की स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की बराबरी कर ली। लुस ने भी छह चौकों और दो छक्कों की मदद से उनका अच्छा साथ दिया।

भारत के लिए श्रेयंका पाटिल ने वोल्वार्ट को आउट कर एकमात्र सफलता हासिल की लेकिन अन्य सभी गेंदबाजों ने काफी रन लुटाये। श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण था और बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेफाली वर्मा ने आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा, जबकि हरमनप्रीत ने 38 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन की तेज पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वोल्वार्ट ने पहली ही गेंद पर रेणुका सिंह के खिलाफ चौका जड़कर अपने तेवर दिखाए। उन्होंने दूसरे ओवर में काश्वी गौतम के खिलाफ तीन चौके लगाए। आक्रामक रवैये के साथ उन्होंने तीसरे ओवर में रेणुका के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर पांचवें ओवर में लगातार गेंदों पर एक छक्का और दो चौके जड़कर 18 रन बटोरे। उन्होंने अरुंधति रेड्डी के खिलाफ चौके के साथ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस प्रारूप में दक्षिण अफीका की महिला खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है।

दक्षिण अफीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 72 रन बना लिए। अब तक एक छोर से संभलकर खेल रहीं लुस ने श्रेयंका पाटिल के खिलाफ छक्का और शेफाली वर्मा के खिलाफ चौका लगाकर रनगति को बरकरार रखा। टीम ने नौवें ओवर में ही 100 रन पूरे कर लिए। वोल्वार्ट ने 12वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ अपनी पारी का तीसरा छक्का जड़ा, जबकि लुस ने श्रेयंका के खिलाफ दो चौकों के साथ दबदबा बनाए रखा। वोल्वार्ट ने 14वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ शुरुआती दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाने के बाद पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी ओवर में लुस ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वोल्वार्ट शतक पूरा करने के बाद श्रेयंका की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुईं, लेकिन तब तक टीम की जीत लगभग तय हो चुकी थी। इससे पहले शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई।

पूरन का विकेट लेते ही जडेजा ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

लखनऊ । रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 40 रनों से हरा दिया ।इस मैच में जडेजा ने 29 गेंदों पर 43 रन बनाने के बाद गेंदबी के दौरान निकोलस पूरन का महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम की जीत तय कर दी ।पूरन को आउट करने के बाद जडेजा का जश्न मनाने का अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पूरन लखनऊ के सबसे अच्छे बल्लेबाज में से एक हैं ।ऐसे में उनके आउट होते ही सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। पूरन को आउट करने के बाद जडेजा ने जेब में हाथ डालकर ये दिखाने का प्रयास किस कि मैच में अब उनको ही जीत मिलेगी ।इसका कारण है कि पूरन क्रीज पर जमने लगे थे पर उनके आउट होते ही राजस्थान की जीत पक्की हो गई। पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर पेवेलियन लौटे ।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम असफल रहा ।इसी कारण टीम 20 ओवर के खेल में 159 रन ही बना पाई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 120 रन ही बना पायी। सिर्फ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। आयुष बडोनी, कप्तान ऋषभ पंत और एडेन मार्करम शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। केवल मिचेल मार्श ने ही 55 रन बनाये।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है ।वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं ।उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं ।वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है। उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे ।उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है ।इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है ।हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए ।मेरा भी यही लक्ष्य है ।' अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है ।उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है ।कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है ।इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 101 रन की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है!

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विशेष दूत पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके।

जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है।

वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है। इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता।इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

मुंबई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है ।पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है ।साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे ये साबित होता है ।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं ।पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं ।पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की ।पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज़ किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है ।उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया ।वह शतक बनाना आसान बना देते हैं ।पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है ।उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है ।उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है।

'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था', लखनऊ के खिलाफ मैच जिताऊ पारी पर बोले जडेजा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)(एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा जबकि राजस्थान रॉयल्स 40 रनों की जीत के साथ फिर से जीत की राह पर लौट आई। राजस्थान के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी बैटिंग के तरीके, लखनऊ की पिच पर धीमी बॉलिंग करने और अपने पूरे ओवर क्यों नहीं फेंके इस सब पर बात की।

रवींद्र जडेजा ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया जिसमें 29 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाए और एक अहम विकेट लिया। वहीं जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की तेज गेंदबाजी की जोड़ी की अगुवाई में अनुशासित बॉलिंग प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को रस्त्र के खिलाफ 40 रनों की जीत के साथ अपनी लगातार दो हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की। अपनी बैटिंग के बारे में बात करते हुए जडेजा ने कहा, 'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था। LSG के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं, जो तेज गति और सही जगहों पर बॉलिंग कर रहे थे। यह लाल मिट्टी वाली पिच थी, इसलिए इसमें उछाल था, और गेंद में सीम भी मिल रही थी।'

जडेजा ने कहा, 'हमारे विकेट लगातार गिर रहे थे और हम कोई साझेदारी नहीं बना पा रहे थे। इसलिए डोनोवन और मैंने पारी को आखिर तक ले जाने के बारे में बात की। लेकिन टी20 क्रिकेट में एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए आपको बीच-बीच में जोखिम उठाते रहना पड़ता है। बदकिस्मती से, वह गलत समय पर आउट हो गए। मैं बस ओवरों का हिसाब लगा रहा था और मुझे पता था कि आखिरी ओवर शायद मयंक यादव फेंकेंगे।'

उन्होंने कहा, 'मैं बस उनकी गति का फायदा उठाना चाहता था, क्योंकि लेग-साइड की बाउंड्री छोटी थी और मिड-ऑफ और मिड-ऑन दोनों ही ऊपर थे। उनकी तीन गेंदें शॉर्ट थीं, और उन्होंने एक फुल गेंद फेंककर मुझे चकमा देने की कोशिश की, लेकिन किस्मत से, मैं उस पर भी चौका लगाने में कामयाब रहा। हमें वे 20 रन मिल गए, और एक टीम के तौर पर, जब आपके गेंदबाज़ों के पास बचाव के लिए कुछ अतिरिक्त रन होते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है।'

पहले बैटिंग करने के लिए कहे जाने पर रस्त्र ने जडेजा की 29 गेंदों में खेली गई 43 रनों की जुझारू पारी और शुभम दुबे की 19 रनों की तेज पारी की बदौलत 159/6 का स्कोर बनाया। एक छोटे स्कोर का बचाव करते हुए RR ने मेजबान टीम को 18 ओवर के अंदर 119 रनों पर ऑल आउट कर दिया और मैच 40 रनों से जीत लिया। जडेजा ने निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया।

लखनऊ की उस पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जब मैं दिग्विजय राठी के खिलाफ बैटिंग कर रहा था, तो उनकी कुछ गेंदें पिच पर रुककर आ रही थीं। इसलिए, मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं, तो मुझे भी कुछ मदद मिल सकती है। मैं मिच मार्श या पूरन, किसी को भी तेज गेंदबाजी नहीं देना चाहता था, क्योंकि वे बड़े हिटर हैं और बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, मैंने धीमी गेंदबाजी की, लेकिन मैं अपनी गति में बदलाव भी करना चाहता था, ताकि मैं आसानी से पढ़ा न जा सकूं। अगर वे एक या दो छक्के लगा देते, तो पहले से बना सारा दबाव खत्म हो जाता, जिससे जीत के लिए जरूरी रनों का अंतर कम हो जाता।'

पिच सीम गेंदबाजों की मदद कर रही थी, क्योंकि नांद्रे बर्गर (27/2), जोफ्रा आर्चर (20/3) और बृजेश शर्मा (18/2) ने कसी हुई गेंदबाजी की और LSG की बैटिंग लाइनअप को तहस-नहस कर दिया। जडेजा ने इस मैच में अपने चार ओवरों का कोटा पूरा किया जबकि पिछले कुछ मैचों में वे ऐसा नहीं कर पाए थे।

पिछले मैच में KKR के खिलाफ शानदार गेंदबाजी (तीन ओवरों में 8/2) करने के बावजूद वे उस मैच में अपने चार ओवर पूरे नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ मैचों में अपने ओवरों का कोटा पूरा न कर पाने के बारे में उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना निजी अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ आता हूं।'

जडेजा ने कहा, 'मैं बस इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस भी तरह का योगदान चाहती है, मैं उसे पूरा करूं। जब बैटिंग की बात आती है, तो मैं इस मैच में पारी को आखिर तक ले जाना चाहता था, क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में कोई गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता, तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन पीछे रह जाते। ऐसे में LSG के लिए छोटे टारगेट का पीछा करना आसान हो सकता था। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर स्थिति और हर मैच का माहौल अलग होता है, इसलिए आपको उसी के हिसाब से खुद को ढालना पड़ता है। अगर किसी दिन टीम को लगता है कि किसी खास बैटर के खिलाफ मेरा मैच-अप नेगेटिव है, तो मैं उस बात को समझता हूं। हो सकता है कि यह काम कर जाए, या हो सकता है कि न करे; यह तो खेल का ही एक हिस्सा है।'

राजस्थान अभी पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है जिसके 7 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं। अपने अगले मैच में शनिवार को उनका मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ (ईएमएस) ।इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं ।आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं ।आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है ।आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं ।उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं ।इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे ।रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं ।साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था ।वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं ।वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं ।वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं ।

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

-भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई। पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई पर हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांक ने सवाल उठाए थे। हरीश चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में रखना निंदनीय है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे असहमति की आवाज दबाने और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना... 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिय जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा। वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं। नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है। इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है। मार्च में केंद्रीय वन्यजीव विशेषज्ञ ने दुमका और गिरिडीह के प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया है। यहां साल के वृक्ष लगाने और बड़े चट्टानों को स्थाना करने की सलाह विशेषज्ञ ने दी है।

लुधियाना के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना के स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। फिलहाल चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल जारी होने के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के ग्रुप में जानकारी शेयर कर पुलिस प्रशासन को सूचित किया है। स्प्रिंग डेल स्कूल ने बच्चों की छुट्टी कर दी। फिलहाल स्कूल में पुलिस की ओर से चैकिंग चल रही है। इसके पहले 10 मार्च को लुधियाना के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इस बात से हड़कंप मच गया था। सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी।

जयपुर में बिजली के बॉक्स बनाने की फैक्ट्री में आग.... महिला मजदूर जिंदा जली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री में फायर सेफ्टी उपकरण भी नहीं थे। हादसा सुदर्शनपुरा इलाके में हुआ। बिजली इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री जेएमडी एंटरप्राइजेज के बेसमेंट में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में ब्लास्ट भी हुआ, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 7 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गोमा देवी (47) निवासी यूपी की जलने से मौत हो गई। दो मजदूर अभिषेक (30) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी 22 गोदाम, मनोज मालाकर (42) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को एसएमएस हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। यूनिट मालिक शशांक कटियार है। फैक्ट्री में जहां हादसा हुआ, वहां बिजली के उपकरण जैसे फैन बॉक्स, कशिल्ड बॉक्स बनाए जाते थे। इसके लिए बेसमेंट में भट्टी जलाकर लोहे की चद्दर को काटकर कशिल्ड और फैन बॉक्स का रूप दिया जा रहा था। भट्टी के साथ गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। बताया जा रहा हैं कि बेसमेंट में रखे पाउडर पोटिंग की भट्टी में लगे सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। वहीं बताया जा रहा है कि जब विस्फोट हुआ, उस दौरान कम्प्रेशर चालू था, जिससे आग भभक पड़ी। फैक्ट्री में 69 किलो एलपीजी गैस से भरे पांच सिलेंडर रखे थे। फायर फाइटर्स सबसे पहले सिलेंडरों को आग की लपटों से दूर लेकर गए।

अदालत को प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा

–सबरीमाला मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने क्यों किया 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले से जुड़े रेफरेंस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने अहम टिप्पणी कर 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का इस्तेमाल किया। यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल अदालत में धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े तर्क रख रहे थे और विभिन्न स्रोतों से विचारों का हवाला दे रहे थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कौल ने दलील दी कि ज्ञान और विचार किसी भी माध्यम से आए हों, उन्हें पूरी तरह खारिज नहीं करना चाहिए। वे अखबार में प्रकाशित एक लेख और विभिन्न विचारकों के मतों का उल्लेख कर रहे थे, जिसमें धार्मिक मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि अदालत सभी विद्वानों और लेखकों का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी लेख या व्यक्तिगत राय न्यायालय पर बाध्यकारी नहीं होती। तभी बहस के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने हल्के अंदाज में कहा, 'लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं,' उनकी इस टिप्पणी से संदेश दिया गया कि अदालत में केवल प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा किया जा सकता है, न कि अपुष्ट या सोशल मीडिया आधारित जानकारी पर।

मामले की पृष्ठभूमि में दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से दायर याचिका शामिल है, जिसमें धार्मिक बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) की प्रथा को चुनौती दी गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता कौल समुदाय की ओर से पेश हो रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्राप्त है और इसे हर स्थिति में अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य के सामाजिक सुधार कानूनों के अधीन नहीं माना जाना चाहिए। कौल ने तर्क दिया कि पहले के न्यायिक निर्णय, जैसे 'देवरू' फैसला, केवल मंदिर प्रवेश से जुड़े मामलों तक सीमित थे और उन्हें सभी धार्मिक अधिकारों पर लागू सामान्य सिद्धांत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने अनुच्छेद 25 और 26 के बीच संतुलित व्याख्या यानी 'हार्मोनियस कंस्ट्रक्शन' की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि जब राज्य अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाता है, तो धार्मिक अधिकारों को पूर्ण और सर्वोपरि नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन होते हैं, और इन्हीं आधारों पर सामाजिक सुधार संभव होता है। कौल ने इस तर्क

से सहमति जाहिर की। इसके साथ ही कौल ने 'संवैधानिक नैतिकता' की व्याख्या पर भी चिंता जताई और कहा कि इस अनावश्यक रूप से विस्तृत अर्थ देने से संवैधानिक प्रावधानों का दायरा बदल सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि गलत प्रथाओं को रोकने के लिए सार्वजनिक नैतिकता पर्याप्त आधार है।

आर्ट ऑफ लिविंग 'अनसंग एवरीडे हीरोज अवार्ड्स' प्रदान करेगा

नयी दिल्ली : लगातार 45 वर्षों की सेवा का जश्न मनाने के लिए, वैश्विक आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी नेता गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर द्वारा स्थापित 'आर्ट ऑफ लिविंग' संगठन, मानवता के लिए जीवन को एक उत्सव बनाने के अपने 45 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, भारत के 499 ज़िलों में 'अनसंग एवरीडे हीरोज अवार्ड्स' प्रदान करेगा। ये पुरस्कार उन युवा नेताओं, खिलाड़ियों और उद्यमियों या व्यापारिक नेताओं को सम्मानित करेंगे जो ईमानदारी, निस्वार्थ सेवा और उत्कृष्टता के लिए प्रेरणा बनते हैं। यह उन 'खामोश नायकों' या व्यक्तियों को पहचानने की एक पहल है, जिनकी निस्वार्थ सेवा और समर्पण उनके आस-पास के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है। झारखंड में यह सम्मान समारोह तीन स्थानों पर आयोजित किया जाएगा: 26 अप्रैल को हजारीबाग और पलामू में, और 5 मई को रांची में। पिछले 45 वर्षों में, आर्ट ऑफ लिविंग ने मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, नैसर्गिक खेती, जल संरक्षण और युवा नेतृत्व के क्षेत्रों में जमीनी स्तर के कार्यक्रमों के माध्यम से, 182 देशों में 100 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को स्पर्श किया है। 65 देशों में लगभग 8,00,000 जेल कैदियों ने पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव का अनुभव किया है। पूरे देश में, 1,356 निःशुल्क ग्रामीण स्कूल 1.2 लाख से अधिक बच्चों के जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैला रहे हैं।

गैलेक्सी S26 अल्ट्रा और फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का रेड कार्पेट पर धमाल

एजेंसी

रांची : गुरुवार को सैमसंग ने 20th सेंचुरी स्टूडियोज की फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की थिएटर में आगामी रिलीज का जश्न मनाने के लिए एक वैश्विक सहयोग की शुरूआत की है, जिसमें एक विशेष विज्ञापन दिखाया गया है। इस विज्ञापन में हेलेन जे. शेन अपने 'जिन' के किरदार में नजर आ रही हैं, जो नए गैलेक्सी S26 अल्ट्रा पर गूगल के साथ सर्कल टू सर्च फीचर का उपयोग करके मिरांडा प्रेस्टली की आखिरी समय की एक मांग को बड़ी ही कुशलता से पूरा करती हैं। इस वैश्विक साझेदारी के तहत, 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' के वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान रेड कार्पेट पर गैलेक्सी S26 अल्ट्रा का जलवा देखने को मिला। एक ऐसी गतिविधि में, जो मिरांडा प्रेस्टली को भी गौरवान्वित कर दे, गैलेक्सी S26 अल्ट्रा का उपयोग उपस्थित लोगों के शानदार रेड कार्पेट लुक्स को कैद करने के लिए किया गया। यह पहली बार था जब #withGalaxy रनवे कैम का उपयोग किया गया, जिसने सिनेमाई और सोशल मीडिया के लिए तैयार पेशेवर-स्तर का शानदार फुटेज दिया। हेइडी क्लम, पेज डिसोर्बो, हन्ना बर्नर, हेलेन शेन और विनी हार्लो जैसे सितारों ने अपने यादगार लुक्स को कैद करने के लिए S26 अल्ट्रा फोटो-ऑप में पोज दिए। S26 अल्ट्रा यूजर और इन्फ्लुएंसर हेली कलील ने भी इस फोटो अनुभव में भाग लिया। हेली ने कहा, "मुझे 'द डेविल वियर्स प्राडा' बहुत पसंद है और टीम गैलेक्सी की सदस्य होने के नाते मुझे अपना गैलेक्सी S26 अल्ट्रा बहुत पसंद है। इन दो दुनियाओं को यहां रेड कार्पेट पर मिलते देखना और इस फिल्म को पसंद करने वाले समुदाय के साथ अपने पसंदीदा गैलेक्सी S26 सीरीज के फीचर्स साझा करना मेरे लिए सबसे अच्छा अनुभव रहा है। हेली ने सोशल मीडिया पर यह भी दिखाया कि कैसे उन्होंने प्रीमियर के लिए तैयार होने के दौरान अपने गैलेक्सी S26 अल्ट्रा के फीचर्स, जैसे गूगल के साथ सर्कल टू सर्च, का उपयोग किया।

कमजोर मानसून और अलनीनो का प्रभाव... जल संकट से निपटने को तैयार हुई महाराष्ट्र सरकार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में संभावित कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे को देखकर राज्य सरकार सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल प्रबंधन को प्राथमिकता दें और अगस्त 2026 तक पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अल नीनो के प्रभाव से वर्षा में कमी आ सकती है, जिससे राज्य में जल संकट गहराने की आशंका है।

महाराष्ट्र राज्य के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर ने कैबिनेट बैठक में जलाशयों के मौजूदा स्तर और संभावित जोखिमों की जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 तक महाराष्ट्र के बांधों में 653.63 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी उपलब्ध है, जो बीते वर्ष के मुकाबले अधिक है। हालांकि, यदि मानसून कमजोर रहता है, तब यह स्थिति जल्दी बिगड़ सकती है। पहले भी अल नीनो वाले वर्षों में जल स्तर में भारी गिरावट दर्ज की गई है–2014 में 12 प्रतिशत और 2015 में लगभग 14 प्रतिशत तक कमी आई थी, जिससे

राज्य के अंदर व्यापक जल संकट पैदा हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अभी से पानी बचाने की आदत अपनाएं। उन्होंने जल संरक्षण परियोजनाओं को तेज करने, जल प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और पारंपरिक जल स्रोतों जैसे कुएं, बावड़ी और तालाबों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को भी मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इस समीक्षा बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस क्रम में राज्य सरकार ने ÷जल प्रबंधन कार्य पखवाड़ा÷ अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य आम जनता की भागीदारी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। इसके तहत 'गोदा से नर्मदा' और 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर जल-यात्रा 2026' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने बताया कि इस पहल का मकसद जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। यह जल यात्रा तीन मुख्य स्तंभों विचार, विरासत और विकास से जुड़ी है। इसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के महत्व से जोड़ना और ऐतिहासिक विरासत से प्रेरणा लेकर आधुनिक समाधान विकसित करना है। अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के मौके पर शुरू की गई यह पहल उनके जनकल्याणकारी और दूरदर्शी शासन से प्रेरित है, जिसमें मंदिरों, घाटों और जल संरचनाओं के निर्माण को विशेष महत्व दिया गया था। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र सरकार संभावित जल संकट को गंभीरता से लेकर पहले से ही ठोस कदम उठा रही है। यदि समय रहते जल संरक्षण और प्रबंधन के उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए गए, तब लाखों लोगों को भविष्य में पानी की कमी से बचाया जा सकता है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने आइसगेट 2.0 पोर्टल पर शुरू की कस्टम ड्यूटी पेमेंट सुविधा

एजेंसी

मुंबई : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने आज अपने व्यक्तिगत और बिजनेस ग्राहकों के लिए नई सुविधा शुरू करने की घोषणा की है, जिसके जरिए अब वे आइसगेट 2.0 से जुड़कर कस्टम ड्यूटी, सेंट्रल एक्साइज और सर्विस टैक्स का डिजिटल पेमेंट आसानी से कर सकेंगे। इस इंटीग्रेशन के साथ ग्राहक आइसगेट पोर्टल के जरिए आसानी से टैक्स पेमेंट शुरू कर सकते हैं और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिटेल और कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए पेमेंट पूरा कर सकते हैं, जिससे उन्हें सुरक्षित, तेज और पूरी तरह डिजिटल अनुभव मिलता है। यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों को रियल टाइम पेमेंट कन्फर्मेशन, आसान ऑनलाइन प्रोसेस और रिकॉर्ड के लिए तुरंत चालान डाउनलोड करने की सुविधा देता है।

लॉन्च पर बात करते हुए, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के हेड- रिटेल लाइबिलिटीज, आशीष सिंह ने कहा, "कस्टम ड्यूटी पेमेंट व्यापार की रफ्तार और बिजनेस की निरंतरता के लिए बहुत जरूरी होते हैं। आइसगेट 2.0 पर लाइव होकर हम इम्पोर्टर्स, एक्सपोर्टर्स और बिजनेस को यह सुविधा दे रहे हैं कि वे अपने ये जरूरी पेमेंट्स डिजिटल तरीके से उसी आसानी और भरोसे के साथ कर सकें, जैसा वे डायरेक्ट टैक्स और जीएसटी पेमेंट में अनुभव करते हैं। यह कदम भारत के डिजिटल टैक्स और ट्रेड सिस्टम में हमारी भूमिका को और मजबूत करता है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक उन चुनिंदा प्राइवेट सेक्टर बैंक्स में शामिल है, जिन्हें डायरेक्ट टैक्स, जीएसटी और कस्टम्स पेमेंट सपोर्ट करने की मंजूरी है, जिससे ग्राहकों को एक ही जगह पर बैंकिंग और जरूरी वित्तीय काम पूरे करने की सुविधा मिलती है। आइसगेट 2.0 पोर्टल अब ग्राहकों को पूरे साल डिजिटल तरीके से पेमेंट करने की सुविधा देता है, जिससे बिजनेस को कैश-फ्लो प्लानिंग आसान होती है और सभी टैक्सपेयर्स समय पर अपने काम पूरे कर पाते हैं। आइसगेट 2.0 पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के जरिए कस्टम ड्यूटी कैसे भरें:

आइसगेट पोर्टल पर लॉगिन करें: https://foservices.icegate.gov.in/#/login

चालान बनाएं और पेमेंट मोड में नेट बैंकिंग चुनें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक चुनें और सुरक्षित तरीके से पेमेंट पूरा करेंभरे हुए चालान को डाउनलोड या प्रिंट करके अपने रिकॉर्ड में रखें अधिक जानकारी के लिए www.idfcfirstbank.com पर विजिट करें टैक्स पेमेंट से जुड़ी और जानकारी के लिए यहाँ (here) क्लिक करें।

निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी

एनएचआरसी का ने उठाया बड़ा कदम, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। निजी स्कूलों में महंगी किताबों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राइवेट स्कूलों में पेरेंट्स पर महंगी किताबों को खरीदने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और कई जगहों पर अभिभावक इसका विरोध भी जता रहे हैं, हालांकि अब इस मसले पर एनएचआरसी ने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई नमो फाउंडेशन की शिकायत के आधार पर हुई है, जिसमें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डालने का आरोप है।

आयोग ने राज्यों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पालन पर रिपोर्ट देने को कहा है, साथ ही एससीईआरटी और एनसीईआरटी की किताबों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने साफ कहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों में अलग-अलग किताबें लागू करना 'अकादमिक भेदभाव' हो सकता है। अब इस मामले में शिक्षा मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

बता दें स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर हरियाणा का अभिभावक एकता मंच भी पिछले कई सालों से आवाज उठा रहा है और इसका विरोध कर रहा है। मंच की मानें तो स्कूलों में छोटी-छोटी कक्षाओं में 4-4 हजार रुपए के किताबों के सेट लगाए हुए हैं। स्कूल हर साल पाठ्यक्रम की किताबों में कुछ न कुछ हल्का फेरबदल भी कर देते हैं ताकि पेरेंट्स पुरानी किताबों का इस्तेमाल न कर सकें और उन्हें नई किताबें ही खरीदनी पड़ें। इससे पेरेंट्स के ऊपर हर साल बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

तमिलनाडु चुनाव: अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया

-एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है। टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। यह तरीका ऐसे राज्य में बहुत मायने रखता है, जहां युवाओं की आबादी बहुत ज़्यादा है करीब 12.5 लाख पहली बार वोट देने वाले और 40 साल से कम उम्र के करीब 2.5 करोड़ वोटर हैं। विजय ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए भी ज़ोरदार कोशिश की है। ये वोटर कुल वोटरों का करीब 51 फीसदी हिस्सा हैं। टीवीके ने कई चुनावी वादे किए हैं। ये वादे एक रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं, खासकर तब जब पार्टी के अंदर पहले डीएमके सरकार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की मदद जैसी कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना की गई थी।

टीवीके के ज़्यादातर अकेले चुनाव लड़ने के फ़ैसले ने समीकरणों को उलझा दिया है, जिससे डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को ही अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करने पर मजबूर होना पड़ा है। एआईएडीएमके ने इस चुनाव को डीएमके के साथ सीधी लड़ाई के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, ताकि सत्ता-विरोधी वोटों का बंटवारा न हो, वहीं, डीएमके युवाओं के वोट छिटकने के जोखिम के बावजूद अपने मुख्य वोट बैंक को बचाए रखने के लिए अपने शासन के कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण पर ही ज़्यादा ज़ोर दे रही है। ज़मीनी स्तर पर, इस चुनाव का तीन-तरफ़ा स्वरूप दक्षिणी ज़िलों जैसे कन्याकुमारी, थूथुकुडी और तिरुनेलवेली में और साथ ही चेन्नई जैसे शहरी केंद्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इन जगहों पर टीवीके की मौजूदगी ने वोट देने के पारंपरिक तरीकों और जीत-हार के अंतर को बदल दिया है।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव अब कोई सीधा-सादा मुकाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन चुका है। डीएमके, एआईएडीएमके और टीवीके के बीच चल रही इस त्रिकोणीय जंग

में, भले ही यह नई पार्टी सीधे तौर पर विजेता बनकर न उभरे, लेकिन चुनाव परिणामों को तय करने में इसकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां 40 फीसदी मतदाता अभी भी इस चुनाव को डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक जंग मानते हैं, वहीं 20 फीसदी लोग विजय को एक वास्तविक और मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। भले ही विजय सीधे तौर पर सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन उनकी पार्टी किंगमेकर बनकर उभरेगी और भविष्य के गठबंधनों की दिशा तय करेगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902